वर्ष : 34 | अंक : 335 | मुंबई, बुधवार, 11 फरवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने का कोई भी प्रयास आज तक सफल नहीं

इससे पहले भी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ तीन अविश्वास प्रस्ताव आए हैं। पर, पिछले 74 वर्षों में अध्यक्ष के खिलाफ कोई प्रस्ताव पारित नहीं हुआ है। पहला प्रस्ताव 18 दिसंबर 1954 को तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष जीवी मावलंकर के खिलाफ आया था। बहस के बाद इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया था। दूसरा अविश्वास प्रस्ताव 24 नवंबर 1966 को तत्कालीन अध्यक्ष हुकम सिंह के खिलाफ लाया गया था। सदन में प्रस्ताव के समर्थन में 50 से कम सदस्य खड़े हुए, इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया। 15 अप्रैल 1987 को तत्कालीन अध्यक्ष बलराम जाखड़ के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव आया था। इस प्रस्ताव को भी सदन में बहस के बाद खारिज कर दिया गया था। नोटिस लाने की बात हुई पर लाया नहीं गया इसके अलावा, 1967 में तत्कालीन अध्यक्ष नीलम संजीव रेड्डी, 2001 में तत्कालीन अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी, वर्ष 2011 में मीरा कुमार और 2020 में ओम बिरला के पहले कार्यकाल में नोटिस लाने की बात हुई थी, पर ऐसा नहीं हुआ।

स्पीकर पर 'अविश्वास'

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर नेता प्रतिपक्ष को नहीं बोलने देने और आठ सदस्यों के निलंबन से नाराज विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विपक्ष ने मंगलवार को ओम बिरला को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस लोकसभा सचिवालय को सौंपा है। नोटिस पर 118 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने महासचिव उत्पल कुमार सिंह को निर्देश दिया है कि उन्हें पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी विपक्ष के नोटिस की जांच करें। सूत्रों के अनुसार, बिरला ने महासचिव को निर्देश दिया है कि वह इस नोटिस की जांच कर उचित कार्रवाई करें। सचिवालय का कहना है कि नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सदन में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई, पार्टी के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश और सचेतक मोहम्मद जावेद ने विपक्ष की कई दूसरी पार्टियों के नेताओं के साथ लोकसभा महासचिव को नोटिस सौंपा। नोटिस पर कांग्रेस, सपा, डीएमके एवं राजद सहित कई सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि, टीएमसी इससे दूर रही।

- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस
- रूल 94(सी) के तहत विपक्षी सांसदों ने किए हस्ताक्षर
- जब तक अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला नहीं, तब तक सदन के अंदर कदम नहीं : ओम बिरला

आठ सदस्यों के निलंबन का मुद्दा भी उठाया

नोटिस में आठ सदस्यों के निलंबन का मुद्दा भी उठाया है। विपक्ष ने अपने नोटिस में कहा है कि तीन फरवरी को आठ सांसदों को पूरे बजट सत्र के लिए मनमाने ढंग से निलंबित कर दिया गया। उन्हें केवल अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करने के लिए दंडित किया जा रहा है। नोटिस में निशिकांत दुबे का नाम लिए बगैर पूर्व प्रधानमंत्रियों पर आपत्तिजनक टिप्पणियों का उल्लेख है। इसके साथ नोटिस में लोकसभा अध्यक्ष के पांच फरवरी को दिए उस वक्तव्य का भी हवाला दिया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चार फरवरी को कांग्रेस के कई सदस्य प्रधानमंत्री की सीट के पास पहुंचकर किसी अप्रत्याशित घटना को अंजाम देना चाहते थे। इसलिए उनके अनुरोध पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में नहीं आए। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि यह टिप्पणियां कांग्रेस के सदस्यों के खिलाफ खुले तौर पर झूठे आरोप लगाने वाली और अपमानजनक प्रकृति की हैं।

संविधान के अनुच्छेद 94(सी) के तहत नोटिस

लोकसभा महासचिव को नोटिस सौंपने के बाद गौरव गोगोई ने कहा कि महासचिव को संविधान के अनुच्छेद 94(सी) के तहत यह प्रस्ताव संबंधी नोटिस सौंपा गया है। नोटिस में कहा गया है कि लोकसभा अध्यक्ष जिस तरह कार्यवाही का संचालन कर रहे हैं, वह खुले तौर पर पक्षपातपूर्ण है। विपक्ष को बोलने नहीं दिया जाता। नोटिस में कहा गया है कि दो फरवरी को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते समय अपना भाषण पूरा नहीं करने दिया गया। यह कोई अकेली घटना नहीं है। हमेशा ही ऐसा होता है कि राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया जाता।

आगे क्या होगा

- लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने की प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद-94 और लोकसभा में कार्यप्रणाली और कामकाज के नियमों के अनुच्छेद-200 द्वारा नियंत्रित होती है। जो सदस्य अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को हटाने के लिए प्रस्ताव का नोटिस देना चाहते हैं, वह महासचिव को लिखित में ऐसे प्रस्ताव का नोटिस देते हैं। लोकसभा सचिवालय 14 दिन के भीतर नोटिस की जांच करता है।
- नोटिस में साफ और सटीक शब्दों में आरोप व्यक्त किए गए हों। इसमें तर्क, अनुमान, व्यंग्यात्मक बातें, आरोप या मानहानिकारक बयान नहीं होने चाहिए। नोटिस सही पाए जाने पर प्रस्ताव पेश करने की अनुमति के लिए एक प्रस्ताव संबंधित सदस्य के नाम पर कामकाज की सूची में दर्ज किया जाएगा।
- सदन में प्रस्ताव के लिए दिन तय किया जाएगा। यह प्रस्ताव के नोटिस मिलने की तारीख से 14 दिन बाद का कोई भी दिन होगा। इस प्रस्ताव को कम से कम 50 सदस्यों का समर्थन मिलना चाहिए। प्रस्ताव के समर्थन में सदन के अंदर 50 से कम सदस्य खड़े होते हैं, तो प्रस्ताव गिर जाएगा। प्रस्ताव स्वीकार होने के बाद दस दिनों के अंदर चर्चा और वोटिंग की जाती है। वोटिंग में बहुमत से फैसला होता है।

अध्यक्षता नहीं कर सकते बिरला

लोकसभा अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को पद से हटाने का प्रस्ताव सदन में विचाराधीन हो, तो वे अध्यक्षता नहीं कर सकते हैं। पीठासीन सभापति की सूची में से कोई सभापति सदन की कार्यवाही संचालित करता है। वहीं लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अपने खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर निर्णय होने तक सदन में नहीं आने का फैसला किया है।

अजित पवार विमान हादसा

रोहित पवार के 'विस्फोटक' आरोप

विधायक रोहित पवार ने जताई साजिश की आशंका

विशेषज्ञ एजेंसियों से जांच की मांग की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में अजित पवार के विमान हादसे को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। एनसीपी नेता (शरद गुट) रोहित पवार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस हादसे को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए हैं और आशंका जताई है कि यह केवल दुर्घटना नहीं बल्कि साजिश भी हो सकती है। रोहित पवार ने कहा कि पूरे महाराष्ट्र में लोग यह सवाल पूछ रहे हैं कि अजित पवार का विमान हादसा वास्तव में दुर्घटना था या इसके पीछे कोई साजिश थी।

रोहित द्वारा पूछे गए 5 तीखे सवाल

- क्या सीसीटीवी फुटेज में विमान का 'झुकना' (Tilt) किसी तकनीकी छेड़छाड़ का संकेत है?
- उस 'सरकारी फाइल' का राज क्या है जिसने अजित पवार को मंत्रालय में रोका?
- जब अजित पवार को सड़क मार्ग से जाना था तो शाम 7 बजे चार्टर्ड प्लेन क्यों बुक हुआ?
- विमान की मेंटेनेंस रिपोर्ट को सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा है?
- इसी कंपनी के विमान का 2023 में भी एक्सीडेंट हुआ था, उसकी जांच रिपोर्ट कहां है?

संदिग्ध पायलट और आखिरी मिनट के बदलाव

रोहित पवार ने मुख्य पायलट कैप्टन सुमित कपूर की भूमिका पर कड़े प्रहार किए। उन्होंने दावा किया कि उड़ान के लिए पहले कैप्टन साहिल मदान और कैप्टन यश को नियुक्त किया गया था, लेकिन आखिरी समय में उन्हें बदल दिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कैप्टन कपूर का नाम पहले 'ड्रंक पायलट' की सूची में आ चुका था। हादसे से ठीक एक मिनट पहले विमान का 'ट्रांसपोंडर' बंद होने और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग में मुख्य पायलट की चुप्पी को उन्होंने बेहद संदिग्ध बताया।

अचानक बदला गया यात्रा का प्लान

रोहित पवार ने खुलासा किया कि अजित पवार ने पहले सड़क मार्ग से बारामती जाने का फैसला किया था और उनका काफिला पूरी तरह तैयार था। लेकिन आखिरी समय में एक वरिष्ठ नेता के देरी से आने और विदर्भ की एक महत्वपूर्ण फाइल पर हस्ताक्षर करने के दबाव के कारण उन्हें विमान से जाने के लिए 'मजबूर' होना पड़ा। उन्होंने सवाल उठाया कि विमान ने अपने निर्धारित समय सुबह 7:00 बजे के बजाय 8:10 बजे उड़ान क्यों भरी? क्या यह देरी किसी बड़ी योजना का हिस्सा थी?

तकनीकी खामियां और रखरखाव पर सवाल

हादसे की जांच पर सवाल उठाते हुए रोहित पवार ने पूछा कि विमान का 'टेकलॉग' और 'एयरवर्दी रिपोर्ट' कहाँ है? उन्होंने स्थानीय चश्मदीदों के हवाले से बताया कि विमान की आवाज सामान्य नहीं थी और सीसीटीवी फुटेज में उसे हवा में 360 डिग्री घूमते देखा गया। रोहित पवार ने विमानन कंपनी VSR को DGCA से मिल रहे कथित संरक्षण पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि कंपनी के विमानों में अक्सर सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाती थी।

प्रफुल्ल पटेल और मेंटेनेंस कंपनियों का कनेक्शन

रोहित पवार ने मामले में एक और चौंकाने वाला पहलू जोड़ते हुए एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि भारत में विमानों के रखरखाव (MRO) का काम केवल दो प्रमुख कंपनियां करती हैं, जिनमें से मुंबई वाली कंपनी प्रफुल्ल पटेल की बताई जाती है। उन्होंने मांग की कि विमान के मेंटेनेंस हैंगर के सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक किए जाएं ताकि यह साफ हो सके कि विमान के साथ कोई छेड़छाड़ तो नहीं की गई थी।

निष्पक्ष जांच और ब्लैक बॉक्स की मांग

शरद पवार द्वारा इसे महज एक हादसा बताने वाले पुराने बयान पर रोहित ने कहा कि वह बयान शुरुआती घंटों का था, लेकिन अब नए तथ्य सामने आए हैं। उन्होंने इजरायली खुफिया एजेंसी 'मोसाद' की एक किताब का जिक्र करते हुए कहा कि कभी-कभी 'ड्राइवर' को मारना सबसे असरदार होता है। रोहित पवार ने सरकार से मांग की है कि ब्लैक बॉक्स की पूरी रिकॉर्डिंग सार्वजनिक की जाए और इस पूरे मामले की पारदर्शी जांच हो ताकि 'साजिश' के पीछे का चेहरा बेनकाब हो सके।

फडणवीस कैबिनेट का मास्टरस्ट्रोक

- किसानों से लेकर खिलाड़ियों तक, सबके लिए खोले सौगातों के द्वार
- अधूरे सिंचाई प्रोजेक्ट पूरे करने के लिए हजार करोड़ का नाबार्ड लोन मंजूर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में महाराष्ट्र में अधूरे पड़े 57 सिंचाई प्रोजेक्ट्स को पूरा करने और नहरों व डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम को मजबूत करने के लिए नाबार्ड से 15 हजार करोड़ रुपये का कर्ज लेने को मंजूरी दी गई। इस फैसले से राज्य में लगभग आठ लाख हेक्टेयर जमीन सिंचाई के दायरे में आएगी। राज्य में सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए वित्तीय संस्थानों से 15 हजार करोड़ रुपये का कर्ज लेने का निर्णय 7 अगस्त 2019 को कैबिनेट बैठक में लिया गया था। इसके तहत पहले चरण में 11 मार्च 2024 को नाबार्ड से 7,500 करोड़ रुपये का कर्ज लेने की मंजूरी दी गई थी।

57 अधूरे और 193 पूरे प्रोजेक्ट्स पर होगा खर्च

कैबिनेट ने 57 अधूरे सिंचाई प्रोजेक्ट्स को पूरा करने और 193 पूर्ण हो चुके प्रोजेक्ट्स की नहरों एवं वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए 15,000 करोड़ रुपये की संयुक्त संशोधित मंजूरी दी है। इसमें से 8,982 करोड़ 76 लाख रुपये अधूरे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने और 6,017 करोड़ 24 लाख रुपये पूर्ण प्रोजेक्ट्स की नहरों व डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम को बेहतर बनाने पर खर्च किए जाएंगे।

कोल्हापुर में बनेगा क्रिकेट स्टेडियम

कैबिनेट बैठक में कोल्हापुर जिले के विकासवाड़ी (तालुका करवीर) में अंतरराष्ट्रीय मानकों के क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण के लिए 12 हेक्टेयर 76 आर सरकारी जमीन मुफ्त देने का फैसला लिया गया। यह जमीन स्कूल शिक्षा एवं क्रीड़ा विभाग को हस्तांतरित की जाएगी। इससे जिले में आधुनिक खेल बुनियादी ढांचे का विकास होगा और युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं मिलेंगी।

ब्रीफ न्यूज़

रणवीर सिंह को व्हाट्सएप पर धमकी भरा वॉइस नोट मिला

मुंबई। सिनेमा जगत पर अंडरवर्ल्ड का साया एक फिर से मंडराता दिख रहा है। निर्देशक रोहित शेट्टी के बाद अब रणवीर सिंह को निशाना बनाया गया है। खबर है कि रणवीर को व्हॉट्सएप वॉइस नोट के जरिए धमकी मिली है। धुरंधर अभिनेता से धमकी देने वाले ने करोड़ों रुपये की मांग की है। इस मामले की जानकारी मुंबई पुलिस द्वारा दी गई है। अनजान वॉइस-नोट सामने आने के बाद रणवीर सिंह घर के बाहर सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है और अब मुंबई पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

चार साल बाद मुंबई को आज मिलेगा मेयर

मुंबई। मुंबई में चार साल से अधिक समय बाद 11 फरवरी को बृहन्मुंबई महानगरपालिका की हेरिटेज हॉल में जनरल बॉडी की बैठक होने जा रही है। इसी बैठक में मुंबई के नए मेयर और डिप्टी मेयर का चयन किया जाएगा।

शनिवार (7 फरवरी) को सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने अपने उम्मीदवारों के नामों का औपचारिक ऐलान कर दिया, जिसके बाद उम्मीदवारों ने नगर सचिव कार्यालय में नामांकन दाखिल किया। भाजपा ने वरिष्ठ नगरसेविका ऋतु तावड़े को मेयर पद का उम्मीदवार बनाया है, जबकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने संजय शंकर घाड़ी को डिप्टी मेयर पद के लिए नामित किया है। विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) ने कोई उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारा है, ऐसे में महायुति के दोनों उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना तय माना जा रहा है।

सत्ता का उलटफेर

शिवसेना यूबीटी के सहयोग से भाजपा की संगीता खांडेकर बनीं चंद्रपुर नगर परिषद की मेयर

कांग्रेस ने लगाया हॉर्स-ट्रेडिंग का आरोप

एजेंसी । चंद्रपुर

चंद्रपुर महानगरपालिका में बीते कई दिनों से जारी सत्ता की खींचतान का अंत आखिरकार मंगलवार, 10 फरवरी को हो गया। कांग्रेस को उम्मीद थी कि ठाकरे गुट की शिवसेना के साथ मिलकर वह बीजेपी को सत्ता से दूर रख पाएगी, लेकिन आखिरी समय पर तस्वीर बदल गई। चंद्रपुर महानगरपालिका में हुए मेयर चुनाव में बीजेपी और उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना ने मिलकर सत्ता हासिल कर ली है।

एक वोट के अंतर से हार-जीत का फैसला

बीजेपी की संगीता खांडेकर महज एक वोट के अंतर से मेयर चुनी गईं। खास बात यह रही कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने कांग्रेस से दूरी बनाते हुए बीजेपी का समर्थन किया। समझौते के तहत सवा साल के कार्यकाल में पहले सवा साल बीजेपी का मेयर रहेगा, जबकि बाकी सवा साल के लिए शिवसेना का मेयर होगा।

आपसी मतभेदों से भाजपा को फायदा

चंद्रपुर महानगरपालिका में उद्धव गुट के कुल 6 पार्षद हैं, जिन्होंने बीजेपी के साथ मिलकर यह समीकरण बनाया। वोटिंग के दौरान वंचित के दो पार्षद मौजूद नहीं थे, जबकि AIMIM का एक पार्षद तटस्थ बना रहा।

नरवणे की किताब पब्लिश नहीं हुई : पेंगुइन

नई दिल्ली। पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' पर पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि किताब अभी तक प्रकाशित नहीं हुई। इसका कोई हिस्सा सार्वजनिक नहीं किया गया। कंपनी ने कहा कि पब्लिशिंग के सभी राइट्स हमारे पास हैं। अब तक किताब की न तो कोई छपी हुई कॉपी आई है और न ही डिजिटल कॉपी सामने आई है। इसके जवाब में राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा- या तो नरवणे झूठ बोल रहे हैं, या पेंगुइन कंपनी। वहीं कंपनी के बयान को पूर्व आर्मी चीफ ने X पर रीपोस्ट किया।

हर 8 मिनट में 1 बच्चा गायब

लापता बच्चों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

बच्चों के गायब होने के पीछे देश भर में कोई नेटवर्क तो नहीं, इसका पता लगाए सरकार : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के अलग-अलग हिस्सों से बच्चों के लापता होने के बढ़ते मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से अहम सवाल पूछे। शीर्ष अदालत ने केंद्र से यह पता लगाने को कहा कि क्या इन घटनाओं के पीछे कोई देशव्यापी नेटवर्क काम कर रहा है या फिर ये केवल अलग-

अलग राज्यों में होने वाली बिखरी हुई घटनाएं हैं। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि यह जानना बेहद जरूरी है कि बच्चों के लापता होने के मामलों में कोई पैटर्न है या नहीं।

पूरे आंकड़े मिलने के बाद ही होगी सही जांच : केंद्र

केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने अदालत को बताया कि कुछ राज्यों ने लापता बच्चों और अभियोजन से जुड़े आंकड़े सौंप दिए हैं, लेकिन करीब एक दर्जन राज्यों ने अब तक डेटा उपलब्ध नहीं कराया है।

सुप्रीम कोर्ट की दो-टूक टिप्पणी

पीठ ने केंद्र से साफ शब्दों में कहा हम जानना चाहते हैं कि बच्चों के लापता होने के पीछे कोई राष्ट्रीय नेटवर्क है या राज्य-स्तरीय गिरोह। क्या यह कोई पैटर्न है या केवल संयोग? कोर्ट ने यह सुझाव भी दिया कि जिन बच्चों को बचाया गया है, उनसे पूछताछ कर यह पता लगाया जाए कि इन घटनाओं के पीछे कौन जिम्मेदार है।

सख्ती | **अब एआई-जनित सामग्री की देनी होगी स्पष्ट जानकारी**

एआई वीडियो पोस्ट करना अब पड़ेगा महंगा

सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए जारी किया आदेश

एजेंसी । नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों पर आंख बंद कर भरोसा करना अब आसान नहीं रहा। कभी किसी नेता का फर्जी बयान सामने आ जाता है तो कभी किसी आम नागरिक का डीपफेक वीडियो वायरल हो जाता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स ने कंटेंट बनाना आसान जरूर किया है, लेकिन इसके साथ ही झूठ और धोखे के नए रास्ते भी खोल दिए हैं। कई बार यूजर को यह तक पता नहीं चलता कि जो वह देख रहा है, वह असली है या मशीन से बनाया गया है। इसी

बढ़ती गड़बड़ी को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने एआई से बने कंटेंट को लेकर नए नियम लागू किए हैं। इन नियमों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और यूजर्स—दोनों की जिम्मेदारी तय की गई है।

एआई कंटेंट पर टैग लगाना होगा अनिवार्य

अगर कोई वीडियो, फोटो या ऑडियो एआई से बनाया गया है, तो उसे बिना पहचान के पोस्ट नहीं किया जा सकेगा। सोशल मीडिया कंपनियों को ऐसे कंटेंट पर साफ और स्पष्ट लेबल दिखाना होगा, ताकि यूजर समझ सके कि यह असली नहीं है।

फर्जी एआई कंटेंट 3 घंटे में हटाना होगा

अगर किसी प्लेटफॉर्म को पता चलता है कि कोई डीपफेक या भ्रामक AI कंटेंट फैल रहा है, तो उसे 3 घंटे के भीतर हटाना अनिवार्य होगा। पहले यह समय सीमा 36 घंटे थी। अब देरी की जिम्मेदारी सीधे प्लेटफॉर्म पर तय होगी। पोस्ट अपलोड करते समय यूजर को यह घोषणा करनी होगी कि कंटेंट AI जनरेटेड है या नहीं। प्लेटफॉर्म केवल यूजर के बयान पर निर्भर नहीं रहेगा, बल्कि टेक्नोलॉजी के जरिए इसकी जांच भी करेगा।

2011 ब्लास्ट केस में आरोपी को 14 साल बाद जमानत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को 2011 के मुंबई ट्रिपल ब्लास्ट मामले के आरोपी नदीम अख्तर अशफाक शेख को 14 साल बाद जमानत दे दी। अदालत ने निचली अदालत में लंबे समय से लंबित ट्रायल को आधार बनाते हुए शेख को राहत प्रदान की। इससे पहले विशेष मकोका अदालत ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उसने हाई कोर्ट का रुख किया था। न्यायमूर्ति अजय एस. गडकरी और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की पीठ ने शेख की जमानत

याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि वह जनवरी 2012 से जेल में बंद है और निचली अदालत में ट्रायल लंबे समय से पेंडिंग है। अदालत ने माना कि ट्रायल जल्द पूरा होने की कोई स्पष्ट संभावना नजर नहीं आ रही है। विशेष अदालत द्वारा जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद नदीम शेख ने मई 2022 में बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी।

अवैध निर्माणों पर चला मनपा का बुलडोजर

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

शहर में लंबे समय से हो रहे अवैध निर्माणों के खिलाफ कुछ प्रभाग अधिकारियों के उदासीन रवैये को देखते हुए एमबीएमसी आयुक्त राधाबिनोद शर्मा कड़े कदम उठा रहे हैं। न्यायालय के निर्देशानुसार संबंधित विभाग द्वारा मीरा रोड क्रीक क्षेत्र में मैंग्रोव वनों को नष्ट कर किए गए अवैध निर्माणों को काफी समय बाद ध्वस्त किया गया। एमबीएमसी के तोड़क दस्ते के प्रमुख सहायक आयुक्त नरेंद्र चव्हाण के नेतृत्व में प्रभाग क्रमांक 3, 4, 5 और 6 के अधिकारियों के साथ चार अलग-अलग स्थानों पर संयुक्त रूप से तोड़क कार्रवाई की गई। प्रभाग 6 के अंतर्गत रॉयल फैमिली गार्डन रेस्टॉरेंट एंड बार, पेनकरपाड़ा, सृष्टि रोड, मीरा रोड (पूर्व) में किए गए अवैध निर्माण, पात्रा परिसर सहित अन्य संरचनाओं को ध्वस्त किया गया। वहीं प्रभाग 5 में सर्वे संख्या 38 स्थित राधा कृष्णा एसी बैंक्वेट होटल में बनाए गए शेड और बाड़ के अवैध निर्माण, सर्वे संख्या 36 में शादी मंडप की सजावट सामग्री के भंडारण हेतु बनाए गए कच्चे माल के शेड, तथा सर्वे संख्या एस/3 पर हिंदू श्मशान घाट के पीछे, पूनम सागर कॉम्प्लेक्स के पास किए गए अवैध निर्माणों को भी तोड़ा गया।

आरटीआई कार्यकर्ता का आरोप

स्थानीय आरटीआई कार्यकर्ता मोईन शेख ने कहा कि कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की शह पर फल-फूल रहे अवैध निर्माणों के काले बाजार के खिलाफ एमबीएमसी और पुलिस प्रशासन को संयुक्त रूप से कार्रवाई करने की आवश्यकता है। अवैध निर्माणों को तोड़ने के लिए न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा, तब जाकर प्रशासन की नींद खुली।

प्रशासन और पुलिस की संयुक्त मौजूदगी

इस तोड़क कार्रवाई के दौरान वार्ड समिति संख्या 03, 04, 05 और 06 के कर्मचारी, हॉकर स्क्वाड के कर्मचारी, पुलिसकर्मी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण की जरुरत : परब

पर्यावरण संरक्षक धीरज परब ने बताया कि पर्यावरण की रक्षा के लिए सदाबहार वनों को बचाना आवश्यक है। तटीय सदाबहार वन, तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) और बफर जोन में नियमों को ताक पर रखकर की जा रही मिट्टी भराई और अवैध निर्माणों को रोकना मनपा प्रशासन के साथ-साथ शहर के दोनों विधायकों की भी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि राज्य मानव अधिकार आयोग ने शिकायत का संज्ञान लेते हुए मनपा को तीन माह के भीतर तोड़क कार्रवाई कर पूरी रिपोर्ट जमा करने का आदेश दिया है, इसी के तहत यह कार्रवाई की गई।

मेयर अश्विनी निकम की पहली समीक्षा बैठक संपन्न

नागरिक मुद्दों, बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका की नव निर्वाचित महापौर अश्विनी कमलेश निकम की पहली आधिकारिक समीक्षा बैठक मंगलवार दोपहर मनपा स्थायी समिति सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले (भा.प्र.से.) सहित मनपा के सभी विभागों के प्रमुख उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत में सभी विभाग प्रमुखों ने अपना परिचय दिया और अपने-अपने विभागों के कार्यों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात शहर से जुड़ी प्रमुख शहरी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में आवारा कुत्तों के नियंत्रण के लिए बनाए गए केंद्र, शहर में धूल एवं प्रदूषण नियंत्रण की योजनाएं, पानी के रिसाव से जुड़ी शिकायतें, शहर की जर्जर सड़कों की स्थिति तथा चल रहे मरम्मत कार्यों की समीक्षा की गई। महापौर अश्विनी निकम ने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि नागरिकों को समय पर और प्रभावी ढंग से बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर शहर के समग्र विकास को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

प्रमुख अधिकारी और जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

इस बैठक में अतिरिक्त आयुक्त किशोर गावस, भाजपा समूह नेता राजेश वधारिया, शिवसेना गट नेता अरुण आशान, नगरसेवक जमनु पुरुस्वानी सहित मनपा उपायुक्त, सहायक आयुक्त, विभागाध्यक्ष तथा संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

पॉक्सो दोषी की उम्रकैद घटाकर 12 साल हुई

'महात्मा गांधी के विचारों' पर आयोजित परीक्षा पास करने का मिला लाभ

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी करार दिए गए एक व्यक्ति की उम्रकैद की सजा को घटाकर 12 साल के कारावास में बदल दिया है। अदालत ने यह फैसला देते हुए कहा कि दोषी ने जेल में रहते हुए सुधारात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की और 'महात्मा गांधी के विचारों' पर आयोजित परीक्षा को सफलतापूर्वक पास किया। न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल और न्यायमूर्ति संदेश पाटील की पीठ ने कलामुद्दीन मोहम्मद इस्तेयार अंसारी की सजा में आंशिक नरमी बरतते हुए कहा कि दोषी ने जेल में रहते हुए विभिन्न शैक्षणिक और वैचारिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इनमें पुणे की तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ द्वारा प्रमाणित 'किताबों के विश्लेषण' से जुड़ी परीक्षा और मुंबई के रामचंद्र प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता शामिल है।

गांधी विचारों की पढ़ाई पर पास की परीक्षा

पीठ ने 2 फरवरी को दिए आदेश में कहा कि मुंबई के सर्वोदय मंडल द्वारा जारी तीसरे प्रमाणपत्र से यह स्पष्ट होता है कि अंसारी ने महात्मा गांधी के विचारों पर आधारित अध्ययन कार्यक्रम में भाग लिया और परीक्षा भी उत्तीर्ण की। अदालत ने कहा कि इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए सजा निर्धारण में कुछ नरमी दिखाई जा सकती है। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि कोरोना महामारी के दौरान भी आरोपी जेल में ही रहा और उसे उस अवधि में इमरजेंसी पैरोल का लाभ नहीं दिया गया।

सोने के गहने ठगने वाला गिरोह गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच उल्हासनगर यूनिट ने सराफा व्यापारी को भी दबोचा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

क्राइम ब्रांच उल्हासनगर यूनिट की टीम ने आम नागरिकों से सोने के गहने ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके साथ एक सराफा व्यापारी को भी गिरफ्तार किया गया है, जो आरोपियों की मदद कर रहा था। गिरफ्तार आरोपियों के नाम राजू प्रकाश चव्हाण (48, वडाला, मुंबई), रमेश विजयकुमार जायसवाल (49, चेंबूर, मुंबई) और संजय दत्ताराम मांगड़े (53, चेंबूर, मुंबई) हैं। वहीं, गिरफ्तार सराफा व्यापारी का नाम रामसिंह लालसिंह चौहान (45, वडाला, मुंबई) है। ठाणे शहर के विभिन्न इलाकों में नवंबर और दिसंबर 2025 तथा जनवरी 2026 के दौरान आम लोगों को बातों में फंसाकर और झांसा देकर उनके सोने के गहने ठगने की कई घटनाएं सामने आई थीं। इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के आदेश पर उल्हासनगर क्राइम ब्रांच यूनिट-4 द्वारा विशेष अभियान शुरू किया गया। बदलापुर पश्चिम पुलिस स्टेशन में दर्ज अपराधों की पैरलल जांच के दौरान क्राइम ब्रांच यूनिट-4 के पुलिस कांस्टेबल राजेंद्र थोरवे को मिली गोपनीय जानकारी, टेक्निकल एनालिसिस और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ठाणे और मुंबई में सक्रिय इस गिरोह का पता लगाया गया।

22 जनवरी की रात हुई गिरफ्तारी

जांच के दौरान तीनों आरोपियों—राजू चव्हाण, रमेश जायसवाल और संजय मांगड़े—को 22 जनवरी 2026 की रात मुंबई से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 के बीच ठाणे जिला और मुंबई में किए गए अपराधों की बात कबूल की और बताया कि उन्होंने ठगी से मिली कमाई बेच दी थी। इस दौरान उनकी कुछ कमाई भी जब्त की गई।

12 मामलों की कमाई बरामद

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने मुंबई के ज्वैलर रामसिंह चौहान की मदद से चोरी का सोना बेचा था। पुलिस ने ठाणे और मुंबई शहर के इलाकों में कुल 12 अपराधों से संबंधित लगभग 16 लाख 99 हजार रुपए मूल्य के करीब 130 ग्राम सोने के गहने जब्त किए हैं। यह जानकारी पुलिस ने दी। यह पूरी कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (क्राइम) अमरसिंह जाधव, सहायक पुलिस आयुक्त शेखर बागड़े, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक योगेश आव्हाड, सहायक पुलिस निरीक्षक विजय कजरी के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में पुलिस कांस्टेबल राजेंद्र थोरवे, अशोक थोरवे, योगेश वाघ, प्रकाश पाटिल, रितेश वंजारी, मंगेश जाधव और गणेश गावड़े की अहम भूमिका रही।

सड़क हादसे में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज संभाजी पाटील की मौत

डीबीडी संवाददाता | वसई

मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर मनोर के पास हुए एक भीषण सड़क हादसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर के निशानेबाज संभाजी शिवाजी पाटील (27 वर्ष) की दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संभाजी पाटील अपने साथी यश प्रशांत चौधरी के साथ फॉर्च्यूनर कार से पुणे से गुजरात की ओर जा रहे थे, तभी उनकी तेज रफ्तार कार एक भारी वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और संभाजी पाटील ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनके साथी यश चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जिनका इलाज जारी है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुँचकर शव को कब्जे में लिया और पंचनामा कर दुर्घटना के कारणों की जाँच शुरू कर दी है।

नालों से मैंग्रोव को खाड़ी में स्थानांतरित करने के निर्देश

डीबीडी संवाददाता | वसई

वसई-विरार शहर में हर साल मानसून के दौरान आने वाली भीषण बाढ़ को रोकने के लिए राज्य के वन मंत्री गणेश नाईक ने प्राकृतिक नालों में उगे मैंग्रोव (कांदळवन) को खाड़ी में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए हैं। सह्याद्री अतिथि गृह में आयोजित एक विशेष बैठक में उन्होंने कहा कि जल निकासी के मार्ग में बाधा बन रहे मैंग्रोव का स्थल निरीक्षण किया जाए और नियमों के अनुसार उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए। यह निर्णय 'CSIR-NEERI' और 'IIT-Mumbai' की उस रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है, जिसमें कहा गया था कि नालों में वनस्पतियों की अनियंत्रित वृद्धि के कारण उनकी जल वहन क्षमता कम हो गई है। भाजपा विधायक राजन नाईक ने इस मुद्दे को जिला योजना समिति की बैठक में प्रमुखता से उठाया था, जिसके बाद यह आपातकालीन बैठक बुलाई गई। बैठक में बताया गया कि चिखलडोंगरी, नारंगी फाटक और उमेला फाटा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नालों की चौड़ाई घटकर केवल 40 से 50 प्रतिशत रह गई है। विशेषज्ञों की रिपोर्ट के अनुसार, भारी बारिश और हाई टाइड के दौरान इन्हीं रुकावटों के कारण 'बैकवॉटर इफेक्ट' पैदा होता है और शहर जलमग्न हो जाता है। विधायक नाईक ने मांग की कि वन विभाग इन अनावश्यक वनस्पतियों को हटाने के लिए विशेष अनुमति दे, ताकि मानसून से पहले सफाई कार्य पूरा किया जा सके।

मैंग्रोव पार्क और पर्यटन को बढ़ावा

बाढ़ नियंत्रण के साथ-साथ वन मंत्री गणेश नाईक ने पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोराई की तर्ज पर नालासोपारा और वसई निर्वाचन क्षेत्रों में स्वतंत्र 'मैंग्रोव पार्क' विकसित करने के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। इसके अतिरिक्त, खाड़ी से आने वाले ज्वार के पानी को रोकने के लिए मुख्य जलमार्गों पर फ्लड गेट (झडपा) लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं। इस बैठक में विधायक स्नेहा दुबे सहित वन विभाग और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे, जिन्हें जल्द से जल्द इन योजनाओं पर अमल करने को कहा गया है।

पंचवटी फायरिंग मामला

पूर्व पार्षद जगदीश पाटिल की जमानत पर फैसला लटका

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पंचवटी फायरिंग मामले में पिछले तीन महीनों से नाशिकरोड मध्यवर्ती जेल में बंद भाजपा के पूर्व पार्षद जगदीश चिंतामण पाटिल की जमानत याचिका पर सुनवाई अंतिम चरण में पहुंच गई है। सोमवार, 9 फरवरी को बॉम्बे हाई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई, लेकिन अदालत का समय समाप्त हो जाने के कारण कार्यवाही पूरी नहीं हो सकी। देर शाम तक सुनवाई की अगली तारीख घोषित नहीं की गई थी। पंचवटी क्षेत्र में दो गुटों के बीच चली आ रही पुरानी रंजिश के चलते हुई फायरिंग की साजिश में शामिल होने के संदेह में जगदीश पाटिल को गिरफ्तार किया गया था। नाशिक जिला एवं सत्र न्यायालय ने पहले ही उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी, जिसके बाद पाटिल ने बॉम्बे हाई कोर्ट में अपील दायर की। अपराध की गंभीरता को देखते हुए उच्च न्यायालय ने अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं सुनाया है। सूत्रों के अनुसार, नई तारीख तय न होने के कारण पाटिल की संभावित रिहाई फिलहाल अधर में लटकी हुई है। इधर, धोत्रे और निमसे गुट के बीच हुए संघर्ष में राहुल संजय धोत्रे की हत्या के मामले में जेल में बंद पूर्व पार्षद उद्धव निमसे भी जमानत के प्रयास कर रहे हैं। निमसे ने 7 नवंबर 2025 को जिला न्यायालय में जमानत याचिका दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया था। जिला अदालत से राहत न मिलने के बाद उद्धव निमसे ने उच्च न्यायालय में अपील की है, जिस पर शुक्रवार को सुनवाई होने की संभावना है।

1 साल में 67,000 लोगों को लगा रेबीज टीका

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

हमेशा यह सलाह दी जाती है कि किसी भी जानवर के काटने की स्थिति में तुरंत अस्पताल जाकर बचाव का इलाज करवाना चाहिए। लेकिन ठाणे जिले में कुत्ते के काटने की घटनाओं में तेजी से इजाफा हुआ है, जो चिंता का विषय बनता जा रहा है। जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच, एक वर्ष की अवधि में जिले के सरकारी अस्पतालों में कुल 67 हजार 112 लोगों को रेबीज से बचाव के लिए वैक्सीन दी गई है। आंकड़ों के मुताबिक, ठाणे जिले के शहरी और घनी आबादी वाले इलाकों में कुत्ते के काटने की घटनाएं अधिक सामने आई हैं। उल्हासनगर-3 में सबसे अधिक 12,594 मरीजों को रेबीज वैक्सीन दी गई। इसके बाद भिवंडी उपजिला अस्पताल में 11,793, उल्हासनगर-4 में 9,788 और अंबरनाथ उपजिला अस्पताल में 8,450 मरीजों का इलाज किया गया। वहीं, ठाणे सिविल अस्पताल में 5,157 लोगों को रेबीज से बचाव का उपचार मिला। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि रेबीज एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है। यदि समय पर इलाज न मिले तो यह घातक साबित हो सकती है। किसी भी कुत्ते या संदिग्ध जानवर के काटने की स्थिति में घाव को तुरंत साबुन और साफ पानी से धोना और बिना देरी किए रेबीज वैक्सीन लगवाना बेहद जरूरी है। कुत्तों के काटने के बढ़ते मामलों ने ठाणे जिले के सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या से सरकारी अस्पतालों पर दबाव भी बढ़ा है।

जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव

ठाणे जिला सिविल अस्पताल के सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने बताया कि रेबीज से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय जागरूकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से छोटे बच्चों पर ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि कई बार बच्चे डर के कारण कुत्ते के काटने की जानकारी अपने माता-पिता को नहीं देते। डॉ. पवार ने यह भी स्पष्ट किया कि ठाणे जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में रेबीज वैक्सीन का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। आवारा कुत्तों की नसबंदी, नियमित वैक्सीनेशन और नागरिकों में जागरूकता—ये तीनों कदम मिलकर ही इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण ला सकते हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि अफवाहों पर विश्वास न करें और समय पर इलाज जरूर करवाएं।

भारतीय स्टेट बैंक
MUM/RBO WORLI 2025-26/01

निविदा आमंत्रण सूचना (NIT)
भारतीय स्टेट बैंक हेतु लीज़ पर वाणिज्यिक / कार्यालय परिसर की आवश्यकता

भारतीय स्टेट बैंक निम्नानुसार शाखाओं के लिए लीज़ पर परिसर प्राप्त करना चाहता है। परिसर का कार्पेट एरिया लगभग **2000–2500 वर्ग फुट (10%)** होना चाहिए। परिसर अधिमानतः भूतल (ग्राउंड फ्लोर) पर स्थित हो तथा मुख्य सड़क पर रणनीतिक स्थान पर हो, जिससे अच्छा फ्रंटेज व दृश्यता प्राप्त हो। इसके अतिरिक्त परिसर में पर्याप्त विद्युत आपूर्ति एवं पार्किंग सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। उपयुक्त परिसर के स्वामी इच्छुक पक्ष निम्नलिखित पते पर आवेदन कर सकते हैं : क्षेत्रीय प्रबंधक (RBOI) क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, वर्ली, LIC कॉम्प्लेक्स, चौथी मंज़िल, जीवन सेवा एनेक्स भवन, एस.वी. रोड, सांताक्रुज़ (पश्चिम), मुंबई – 400054 आवेदन विज्ञापन की तिथि एवं सार्वजनिक अवकाशों को छोड़कर 15 दिनों के भीतर, अर्थात **25.02.2026** को दोपहर 3.00 बजे तक या उससे पहले, जमा किया जाना चाहिए।

क्र. सं.	शाखा का नाम	शाखा की स्थिति	वांछित स्थान	आवश्यक कार्पेट एरिया (स्ट्रॉन्ग रूम सहित) (+/-10%)	लॉकर रूम* (कार्पेट एरिया)
1	कालिना शाखा (14914)	मौजूदा	कालिना–कुर्ला रोड, कालिना, सांताक्रुज़ (पूर्व), मुंबई	2000–2500 वर्ग फुट (10%)	-
2	एसबीआई बांद्रा वेस्ट शाखा (50458)	मौजूदा	हिल रोड, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई	2000–2500 वर्ग फुट (10%)	-

25.02.2026 को दोपहर 3.00 बजे तक या उससे पहले प्राप्त प्रस्तावों पर ही विचार किया जाएगा। आवेदन 'ऑफ़र प्रस्तुत करने हेतु निर्देश/दिशानिर्देश' के अनुसार किया जाना चाहिए। जो एस्टेट एजेंट्स परिसर की पेशकश कर रहे हैं, **उन्हें मकान मालिकों से प्राप्त प्राधिकरण पत्र (Authorization Letter) सहित पूर्ण विवरण के साथ प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा। बैंक द्वारा किसी भी प्रकार का ब्रोकरेज देय नहीं होगा।** भारतीय स्टेट बैंक को बिना कोई कारण बताए किसी भी अथवा सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित है। प्रोफार्मा एवं अन्य विवरण हमारी वेबसाइट sbi.co.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। सभी आवश्यक दस्तावेज़ों सहित पूर्ण एवं विधिवत भरे हुए प्रस्ताव सीलबंद लिफाफे में, कार्य समय के दौरान, 25.02.2026 को दोपहर 3.00 बजे तक या उससे पहले निम्नलिखित पते पर जमा किए जाने चाहिए। प्रस्ताव उसी दिन, अर्थात 25 फरवरी 2026 को दोपहर 3.30 बजे खोले जाएंगे। **किसी भी प्रकार की जानकारी/स्पष्टीकरण हेतु कृपया मोबाइल नंबर: 8976026123 पर संपर्क करें।**

क्षेत्रीय प्रबंधक (RBO-I), भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, वर्ली, चौथी मंज़िल, जीवन सेवा एनेक्स भवन, LIC कॉम्प्लेक्स, एस.वी. रोड, सांताक्रुज़ (पश्चिम), मुंबई – 400054

शहीदी समारोह को लेकर प्रशासन की युद्धस्तर पर तैयारी

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

'हिंद दी चादर श्री गुरु तेग बहादुर' के 350वें शहीदी समारोह की शताब्दी के अवसर पर 28 फरवरी और 1 मार्च 2026 को खारघर सेक्टर-29 स्थित ओवे मैदान में आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने युद्धस्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोजन के दौरान सड़क यातायात जाम और हार्बर रेल लाइन पर ब्लॉक की स्थिति से बचने के लिए विशेष योजना तैयार की जा रही है। इस संबंध में आयोजित पृष्ठभूमि बैठक में आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी ने परिवहन व्यवस्था, पार्किंग और श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाओं की प्रभावी प्लानिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उल्लेखनीय है कि खारघर में होने वाले इस कार्यक्रम में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए आयुक्त डॉ. सूर्यवंशी ने ट्रैफिक जाम से बचाव के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) तकनीक के उपयोग से ट्रैफिक कंट्रोल करने और बेहतर यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कंटेनर ट्रांसपोर्ट और वैकल्पिक मार्गों की योजना

नासिक, पुणे और मुंबई से जेएनपीए तथा जेएनपीए से अन्य विभिन्न स्थानों तक कंटेनर परिवहन के लिए विशेष योजना बनाई गई है। मुख्य कार्यक्रम स्थल तक आने वाली बसों के लिए अलग लेन बनाने, पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था करने और आवश्यकता अनुसार वैकल्पिक मार्ग तैयार रखने के निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के ट्रेन से पहुंचने की संभावना को देखते हुए आयुक्त ने 28 फरवरी और 1 मार्च को वेस्टर्न, सेंट्रल और हार्बर रेलवे लाइनों पर किसी भी प्रकार के मेगा ब्लॉक से बचने के लिए रेलवे प्रशासन से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।

तीसरी मुंबई के लिए जमीन अधिग्रहण व आवंटन पॉलिसी को कैबिनेट की मंजूरी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी–न्हावा शेवा अटल सेतु क्षेत्र के लिए नियुक्त नवानगर डेवलपमेंट अथॉरिटी तथा मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) द्वारा भविष्य में लागू की जाने वाली सभी विकास परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण एवं आवंटन से जुड़ी पॉलिसी को राज्य कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। यह पॉलिसी अटल सेतु इम्पैक्ट एरिया में नियोजित शहरीकरण, औद्योगिक निवेश, लॉजिस्टिक्स, रेजिडेंशियल-कमर्शियल प्रोजेक्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में अहम भूमिका निभाएगी।

भूमि अधिग्रहण के लिए कानूनी प्रावधान

महाराष्ट्र रीजनल प्लानिंग एंड टाउन प्लानिंग एक्ट, 1966 की धारा 126(1) के तहत आपसी सहमति से मुआवज़े की राशि तय कर या राइट टू फेयर कम्पनसेशन एंड ट्रांसपेरेंसी इन लैंड एक्विजिशन, रिहैबिलिटेशन एंड रिसेटलमेंट एक्ट, 2013 के अनुसार जमीन अधिग्रहण को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही धारा 126(10) के तहत नकद मुआवज़े के बजाय एफएसआई या ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स (टीडीआर) के रूप में मुआवज़ा देने और आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त एफएसआई/टीडीआर देने का भी प्रावधान किया गया है।

22.5 प्रतिशत जमीन वापसी पॉलिसी लागू

इस पॉलिसी के तहत 22.5 प्रतिशत जमीन वापसी योजना लागू की जाएगी। बातचीत के ज़रिए निजी जमीन लेते समय नगर विकास विभाग के 1 मार्च 2014 और 28 मई 2014 के सरकारी निर्णयों के अनुसार प्रोजेक्ट प्रभावितों को विकसित प्लॉट देने की व्यवस्था होगी। 22.5 प्रतिशत रिटर्न स्कीम के अंतर्गत यदि अधिग्रहित प्लॉट का क्षेत्रफल 40 वर्ग मीटर से कम होगा, तो संबंधित भूमि मालिक को नकद मुआवज़ा दिया जाएगा।

एफडीआई लाने वाली इंडस्ट्रीज़ को प्राथमिकता

अटल सेतु इम्पैक्ट ज़ोन में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) लाने वाली इंडस्ट्रीज़ को प्राथमिकता के आधार पर प्लॉट आवंटित किए जाएंगे। इसके लिए न्यूनतम 100 एकड़ जमीन लेना अनिवार्य होगा और जमीन की कीमत के अलावा चार वर्षों में प्रति 100 एकड़ पर कम से कम 250 करोड़ रुपये का निवेश करना जरूरी होगा। अविकसित जमीन को बेचा या ट्रांसफर नहीं किया जा सकेगा और कुल विकसित क्षेत्र का अधिकतम 25 प्रतिशत हिस्सा एफडीआई के लिए अनुमन्य होगा।

एसपीवी मॉडल और रेवेन्यू सिस्टम पर जोर

जमीन विकास और साझेदारी के आधार पर स्पेशल पर्पस व्हीकल (एसपीवी) के माध्यम से डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने के लिए जिला कलेक्टरों से प्रस्ताव मंगाए जाएंगे। एमएमआरडीए को इस पॉलिसी के अनुरूप विस्तृत जमीन आवंटन नियम तैयार कर सरकार से मंजूरी लेने और एक प्रभावी रेवेन्यू मॉडल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे सरकार और एमएमआरडीए को इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं के माध्यम से अधिकतम राजस्व प्राप्त होगा।

इंडस्ट्रियल निवेश के लिए 'पास-थ्रू पॉलिसी'

बिना विकसित इलाकों में उद्योग स्थापित करने के लिए 'पास-थ्रू पॉलिसी' को भी मंजूरी दी गई है। इसके तहत जमीन अधिग्रहण और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास का खर्च प्लॉट होल्डर से किश्तों में वसूला जाएगा। रजिस्ट्रेशन फीस और एस्टैब्लिशमेंट फीस भी प्लॉट होल्डर को देनी होगी, जिसमें से 15 प्रतिशत एस्टैब्लिशमेंट कॉस्ट एमएमआरडीए को मिलेगी।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड

मुंबई की कोर्ट ने 27 आरोपियों के खिलाफ तय किए आरोप

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में मंगलवार को एक विशेष अदालत ने 27 आरोपियों के खिलाफ मकोका और बीएनएस के तहत आरोप तय किए। सिद्दी की साल 2024 में हत्या कर दी गई थी। वहीं, आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया। विशेष जज सत्यनारायण आर नवंदर ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं, महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका), आयुध अधिनियम और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत आरोप तय किए। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत आरोप तय करना आपराधिक मुकदमे का पहला चरण है, जहां कोर्ट सबूतों के आधार पर आरोपों को औपचारिक रूप देती है। बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को बांद्रा के निर्मल नगर इलाके में हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने उनके बेटे जीशान के कार्यालय के बार उन्हें गोली मारी थी। इस मामले में पुलिस ने कथित शूटर शिवकुमार गौतम सहित 27 लोगों को गिरफ्तार किया था।

अनिल और टीना अंबानी को ईडी का नया समन

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन मामले में अनिल अंबानी और उनकी पत्नी टीना अंबानी को नया समन जारी किया है। अनिल अंबानी को 18 फरवरी और टीना को 17 फरवरी को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा गया है। दोनों के बयान पीएमएलए के तहत दर्ज किए जाएंगे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन मामले में 'रिलायंस ग्रुप' के चेयरमैन अनिल अंबानी और उनकी पत्नी टीना अंबानी को नया समन जारी किया है। ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए अगले सप्ताह उसके समक्ष पेश होने को कहा है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पूर्व अभिनेत्री टीना अंबानी को सोमवार को यहां ईडी के समक्ष पेश होने को कहा गया था लेकिन वह उपस्थित नहीं हुईं।

पश्चिम रेलवे

यात्री सुविधाओं की आवधिक सफाई का कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (सिग्नल एवं दूरसंचार), मुंबई सेंट्रल, मुंबई–400 008 **निविदा संख्या :SG-623-1815-WA दिनांक : 06.02.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम** : मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे के चर्चगेट–विरार उपनगरीय खंड के स्टेशन परिसरों में स्थापित यात्री सुविधाओं एवं संबंधित वस्तुओं की एक वर्ष की अवधि के लिए आवधिक सफाई का कार्य। कार्य की **अनुमानित लागत** :32,50,512/- बोली सुरक्षा :65,000/- निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 02.03.2026 तक, दोपहर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 02.03.2026 को, दोपहर 15:30 बजे अधिक जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 1103

हमें लाइक करें: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

एलएचबी/आईसीएफ कोचों के लिए प्री-स्ट्रिपिंग एवं एयर स्प्रिंग फिटमेंट कार्य

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरेज रिपेयर वर्कशॉप, पश्चिम रेलवे, एन.एम.जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 400013 **ई-निविदा संख्याः WR-PL-ME-EST-701211 दिनांकः 06.02.2026 आमंत्रित करते हैं। निविदा कार्य का नामः** एलएचबी एवं आईसीएफ कोचों को उठाने हेतु घटकों की प्री-स्ट्रिपिंग तथा फिएट बोगियों में एयर स्प्रिंग का फिटमेंट कार्य। **अनुमानित लागतः** 37,77,180/- EMD: 75,600/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** 27.02.2026 को 12.00 बजे तक निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 27.02.2026 को 12.30 बजे अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 1098

हमें लाइक करें: X.com/WesternRly

एनसीपी के दोनों गुट विलय के मुद्दे को सुलझाएंगे: सीएम

मुंबई। एनसीपी प्रमुख अजित पवार के निधन के बाद एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की खबरों ने जोर पकड़ लिया है। इस बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि एनसीपी के दोनों गुटों के नेता विलय के मुद्दे को सुलझाएंगे और भाजपा इस पर निर्णय होने के बाद ही टिप्पणी करेगी। मुंबई में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि पिछले महीने एनसीपी प्रमुख और डिप्टी सीएम रहे अजित पवार के निधन के बाद आज पहली कैबिनेट मीटिंग की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा, 'हमने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी और सुनेत्रा पवार का स्वागत किया। उनके नेतृत्व में एनसीपी ने जिला परिषद चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया। हम उनके अच्छे होने की कामना करते हैं।' विलय के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि एनसीपी के दो गुटों के विलय के बारे में यह पार्टियों को तय करना है।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

(महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)

म्हाडा MHADA

दूरभाष : 022-66405484 ई-मेल : eecityslum@gmail.com

पत्र क्रमांक : EE/City/MSIB/e-tender/Labour Soc/33/2025-26

कार्यकारी अभियंता (सिटी) विभाग, मुंबई स्लम सुधार मंडल (म्हाडा की इकाई) कक्ष क्रमांक 539, चौथी मंज़िल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई – 400 051 दूरभाष : (022) 66405484 श्रम सहकारी संस्थाओं, जो कि डीडीआर, सिटी जिला, मुंबई में पंजीकृत हों, से कुल 08 कार्यों के लिए बी-1 (प्रतिशत दर) प्रारूप में ई-निविदाएँ ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र शासन के पोर्टल https://mahatenders.gov.in पर उपलब्ध होंगे तथा वहीं से डाउनलोड किए जा सकेंगे। बोली दस्तावेज उक्त वेबसाइट पर ही अपलोड किए जाने हैं।

निविदा दस्तावेज बिक्री प्रारंभ तिथि : 12.02.2026 को प्रातः 01:05 बजे निविदा दस्तावेज बिक्री समाप्ति तिथि : 20.02.2026 को अपराह्न 15:00 बजे यदि कोई शुद्धिपत्र / संशोधन जारी किया जाता है, तो वह केवल https://mahatenders.gov.in वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

सक्षम प्राधिकारी को बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। शर्तयुक्त (कंडीशनल) निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएँगी।

Follow us: @mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/75

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (शहर),
एम.एस.आई.बी. बोर्ड, मुंबई

म्हाडा-राष्ट्र में अग्रणी आवास प्राधिकरण

डिप्टी सीएम के तौर पर सुनेत्रा पवार ने संभाला पदभार

कैबिनेट से पहले पार्टी मंत्रियों से की मुलाकात

मुंबई। दिवगंत अजित पवार की पत्नी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता सुनेत्रा पवार ने मंगलवार को महाराष्ट्र की नई उपमुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाल लिया। वे राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री हैं। उन्होंने मुंबई स्थित मंत्रालय में अपने कार्यालय में उपमुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठकर नया पदभार ग्रहण किया। इसके बाद आज वे आज मंत्रिमंडल कि बैठक करेंगी। हालांकि मंत्रिमंडल की बैठक से पहले सुनेत्रा ने पार्टी के मंत्रियों से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ उनके पुत्र पार्थ पवार और एनसीपी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। उनके शपथ ग्रहण को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं में खुशी और उत्साह का माहौल है। बता दें कि अजित पवार के निधन के बाद पत्नी सुनेत्रा पवार को उनकी जगह उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। उन्हें आबकारी, खेल और अल्पसंख्यक विकास विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुनेत्रा पवार ने अपने कार्यकाल के पहले दिन की शुरुआत मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना से की।

सुनेत्रा पवार को कौन-कौन सी जिम्मेदारियां?

हाल ही में महाराष्ट्र कैबिनेट में हुए विभाग आवंटन के अनुसार सुनेत्रा पवार को राज्य के प्रमुख तीन विभाग सौंपे गए हैं। इसमें आबकारी, खेल और अल्पसंख्यक विकास मंत्रालय शामिल है। साथ ही उन्हें पुणे और बीड जिलों की गार्जियन मिनिस्टर भी बनाया गया है, जिससे वे इन जिलों के विकास और प्रशासन का ध्यान रखेंगी।

सुनेत्रा पवार ने मंदिर से आशीर्वाद लेने के बाद सुनेत्रा पवार दादर स्थित चैत्यभूमि गईं और भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी।

पश्चिम रेलवे

प्रेशराइज़्ड फ्लशिंग सिस्टम का अनुरक्षण

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कोच मरम्मत कार्यशाला, पश्चिम रेलवे, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 13 **निविदा संख्या WR-PL-ME-EST-614318-B दिनांक : 06.02.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम** : एलएचबी कोचों में लगे प्रेशराइज़्ड फ्लशिंग सिस्टम / इलेक्ट्रो-न्यूमैटिक प्रेशराइज़्ड फ्लशिंग सिस्टम (EPPFS) का अनुरक्षण (मेंटेनेंस) कार्य। **अनुमानित लागत** : 2,79,66,000/- EMD)2,89,800/- निविदा जमा करने की **अंतिम तिथि एवं समय** : 28.02.2026 को 11:30 बजे तक निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 28.02.2026 को 12:00 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 1100

हमें लाइक करें: X.com/WesternRly

मध्य रेल

संशोधन कार्य

खुली निविदा सूचना संख्या: - सीआरएमयूएम०एमईसीएचएचएनसीसीओ 222025 दिनांक 09.02.2026

कार्य का विवरण: मुंबई डिविजन के वाडीबंदर कोचिंग डिपो में वंदे भारत ट्रेनसेट के अंडरस्लंग और ऑनबोर्ड उपकरणों के रखरखाव गतिविधियों का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹45,87,274/- (रुपये पैंतालीस लाख सत्तासी हज़ार दो सौ चौहत्तर केवल), **बयाना राशि:** ₹91,800/- (रुपये इक्यानबे हज़ार आठ सौ केवल), **निविदा दस्तावेज शुल्क:** निशुल्क, **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 02.03.2023 को 15:00 बजे तक।

निविदाएं केवल वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से ई-टेंडरिंग प्रारुप में स्वीकार की जाएंगी। निविदा दस्तावेज वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ट पर यात्रा न करें 888

पश्चिम रेलवे ने बांद्रा टर्मिनस–ओखा के बीच साप्ताहिक विशेष ट्रेन की यात्राएँ बढ़ाई

ट्रेन नंबर	प्रस्थान स्टेशन	गंतव्य स्टेशन	सेवा का दिन	विस्तारित अवधि तक
09561	बांद्रा टर्मिनस	ओखा	बुधवार	01/04/2026
09562	ओखा	बांद्रा टर्मिनस	मंगलवार	31/03/2026

स्टॉपेज, ठहराव के समय तथा कोच संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ।

ट्रेन संख्या 09561 की विस्तारित यात्राओं के लिए आरक्षण सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर खुला है। उक्त ट्रेन विशेष किराया के साथ विशेष ट्रेन के रूप में संचालित की जाएगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें और फॉलो करें: facebook.com/WesternRly, X.com/WesternRly, Instagram.com/WesternRly, https://www.youtube.com/@WesternRly, https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के साथ अपना वास्तविक पहचान पत्र भी साथ रखें

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे, मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल – मुंबई – 400 008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर माध्यमों के द्वारा विज्ञापन का प्रदर्शन।

नीलामी कैटलॉग संख्या	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVTM25-53	25-02-26 को 14:00 बजे

क्र	लॉट संख्या	स्थान / क्षेत्र	दिन	नीलामी की अंतिम तिथि व समय
1	MSS-BCT-MRU-MedStn-45-24-1 विविध – स्थिर सेवाएँ – स्टेशन पर चिकित्सा सुविधाएँ	माटुंगा रोड रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए चौबीसों घंटे (24×7) 1826 चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	25.02.26 14:30 बजे
2	MSS-BCT-GTR-MedStn-94-25-1 विविध – स्थिर सेवाएँ – स्टेशन पर चिकित्सा सुविधाएँ	ग्रांट रोड रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए चौबीसों घंटे (24×7) 1826 चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	25.02.26 14:40 बज
3	MSS-BCT-BDTS-MedStn-93-25-1 विविध – स्थिर सेवाएँ – स्टेशन पर चिकित्सा सुविधाएँ	बांद्रा टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए चौबीसों घंटे (24×7) चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	25.02.26 14:50 बजे
4	MSS-BCT-RMAR-MedStn-92-25-1 विविध – स्थिर सेवाएँ – स्टेशन पर चिकित्सा सुविधाएँ	राम मंदिर रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए चौबीसों घंटे (24×7) 1826 चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	25.02.26 15:00 बजे

नीलामी कैटलॉग संख्या	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-25-76	25-02-26 15:00 बजे

क्र	लॉट संख्या	स्थान / क्षेत्र	दिन	नीलामी की अंतिम तिथि व समय
1	ADVT-Int-S1-EMU38RM-460-25-1 विज्ञापन – ट्रेन के अंदर (Train Interior)	मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे के अंतर्गत 38 नॉन-एसी ईएमयू रेकों (कुल 462 कोच) में रूट मैप के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शन का कार्य। इसमें 36 ईएमयू रेक (प्रत्येक में 12 कोच, कुल 432 कोच) तथा 2 ईएमयू रेक (प्रत्येक में 15 कोच, कुल 30 कोच) शामिल हैं। कुल विज्ञापन क्षेत्रफल 229.15 वर्ग मीटर होगा। अवधि 3 वर्ष	1096	25.02.26 15:30 बजे
2	ADVT-Int-S1-EMU39RM-462-25-1 विज्ञापन – ट्रेन के अंदर (Train Interior)	39 नॉन-एसी ईएमयू रेकों (कुल 471 कोच) में रूट मैप के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शन। इसमें 38 ईएमयू रेक (प्रत्येक में 12 कोच, कुल 456 कोच) तथा 1 ईएमयू रेक (15 कोच) शामिल है। कुल विज्ञापन क्षेत्रफल 233.7 वर्ग मीटर। अवधि 3 वर्ष।	1096	25.02.26 15:40 बजे
3	ADVT-EFF-176202-2-25-2 विज्ञापन – ट्रेन के बाहरी हिस्से पर (पूर्ण फेस)	गुजरात एक्सप्रेस (22953/54) एवं इसके लिंक रेक (19033/34 एवं 19035/36) के कोचों के बाहरी हिस्से (पूर्ण फेस) पर विज्ञापन प्रदर्शन का कार्य। अवधि 5 वर्ष।	1826	25.02.26 15:50 बजे
4	ADVT-BCT-PLG-OH-472-26-1 विज्ञापन – आउट ऑफ होम (Out of Home)	पालघर, बोईसर एवं दहानू रोड स्टेशन पर मौजूदा होर्डिंग संरचनाओं पर (पेंटिंग / मरम्मत / मजबूती आदि सहित) थोक विज्ञापन अधिकार। कुल 14 होर्डिंग, कुल क्षेत्रफल 5830 वर्ग फुट। अवधि 3 वर्ष।	1096	25.02.26 16:00 बजे
5	ADVT-BCT-DDR-OH-471-26-1 विज्ञापन – आउट ऑफ होम (Out of Home)	दादर, माटुंगा रोड एवं माहिम स्टेशन पर मौजूदा होर्डिंग संरचनाओं पर (पेंटिंग / मरम्मत / मजबूती आदि सहित) थोक विज्ञापन अधिकार। कुल 8 होर्डिंग, कुल प्रदर्शन क्षेत्रफल 4800 वर्ग फुट। अवधि 3 वर्ष।	1096	25.02.26 16:10 बजे
6	ADVT-EBW-S1-16EMUExt-25-1 विज्ञापन – ट्रेन के बाहरी हिस्से पर (खिड़की के नीच	मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे के अंतर्गत 16 ईएमयू रेकों (कुल 204 कोच) के बाहरी साइड वॉल (खिड़की के नीचे) पर विनाइल रैपिंग के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शन। इसमें 12 ईएमयू रेक (प्रत्येक में 12 कोच, कुल 144 कोच) तथा 4 ईएमयू रेक (प्रत्येक में 15 कोच, कुल 60 कोच) शामिल हैं। कुल विज्ञापन क्षेत्रफल 4,270.75 वर्ग मीटर। अवधि 5 वर्ष	1826	25.02.26 16:20 बजे

संपर्क विवरण : लैंडलाइन नंबर : 022-67644212 ई-मेल आईडी : acmadvtgbct@gmail.com
नोट : इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर उपलब्ध ई-नीलामी लीज़िंग मॉड्यूल का अवलोकन करें। लॉट-वार विस्तृत विवरण उक्त कैटलॉग के अंतर्गत वेबसाइट पर उपलब्ध है। 1094

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly | हमें फालो करें: X.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

खाता : उप जल अभियंता (परिरक्षण)

क्र. ज.अ./ 8543 / स.अ. (परि.) ज.का.पू.उ. दिनांक : 01/02/2016

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा निम्नलिखित विषयांकित कार्यों के लिए इच्छुक निविदाकारों से ऑनलाइन ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा वितरण एवं विक्री की दिनांक व समय, निविदा विक्री की अंतिम दिनांक व समय संबंधी विस्तृत जानकारी बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in तथा महा-टेंडर पोर्टल http://mahatenders.gov.in पर निविदा अवलोकन के अंतर्गत प्रकाशित/अपलोड की गई है।

क्रमांक	निविदा क्रमांक	निविदा का विषय
1	2026_MCGM_1272139_1	कार्यकारी अभियंता (निर्माण), जल कार्य – पूर्व उपनगर के अंतर्गत स्टोर रूम हेतु स्टोरेज व्यवस्था प्रणाली का फेब्रिकेशन एवं स्थापना करने का कार्य

इच्छुक निविदाकारों से अनुरोध है कि विस्तृत जानकारी हेतु महा-टेंडर पोर्टल http://mahatenders.gov.in तथा http://portal.mcgm.gov.in पर अवश्य देखें।

पीआरओ/2938/विज्ञा./2025-26

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (प्र.का.)जल कार्य

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

पश्चिम रेलवे ने चार ट्रॉफियों सहित 'बॉम्बारसी' के लिए प्रथम पुरस्कार जीता

मुंबई फ्लावर शो 2026

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) एवं ट्री अथॉरिटी द्वारा 06 से 08 फरवरी 2026 के दौरान वीरमाता जीजाबाई भोसले वनस्पति उद्यान एवं प्राणिसंग्रहालय, मुंबई में आयोजित मुंबई फ्लावर शो 2026 में पश्चिम रेलवे ने चार ट्रॉफियां जीतकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

'बॉम्बारसी' उद्यान को प्रथम पुरस्कार

इन उपलब्धियों में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के आवास "बॉम्बारसी" स्थित उद्यान को गार्डन श्रेणी में प्रथम पुरस्कार मिलना भी शामिल है, जिसे निर्णायक मंडल द्वारा विशेष सराहना प्राप्त हुई।

29वें संस्करण में कई प्रतिष्ठित संस्थाओं की भागीदारी

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई फ्लावर शो के 29वें संस्करण में मध्य रेल, गोदरेज, बीपीसीएल, एचपीसीएल, आरसीएफ, हीरानंदानी, एमएमआरडीए, मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा सहित अनेक प्रतिष्ठित सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं ने भाग लिया।

विभिन्न श्रेणियों में चार पुरस्कार

पश्चिम रेलवे ने शो में अपनी आकर्षक पुष्प सज्जा और थीम आधारित प्रदर्शनों के माध्यम से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए पश्चिम रेलवे को विभिन्न श्रेणियों में कुल चार ट्रॉफियों से सम्मानित किया गया।

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे, मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल – मुंबई – 400 008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर माध्यमों के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करने का कार्य।

नीलामी कैटलॉग संख्या	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-25-77	26-02-26 को 15:00 बजे

क्र.	लॉट संख्या	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समापन तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-DDR-OH-471-26-3 (विज्ञापन – आउट ऑफ होम)	दादर, माटुंगा रोड एवं माहिम स्टेशन पर होर्डिंग्स कुल उपलब्ध मौजूदा 8 होर्डिंग संरचनाओं पर विज्ञापन क्षेत्र 4800 वर्ग फुट पर विज्ञापन प्रदर्शन 3 वर्ष के लिए (जिसमें पेंटिंग / मरम्मत / मजबूतीकरण आदि शामिल है)	1096	26.02.26 को 15:30 बजे

संपर्क विवरण : लैंडलाइन नंबर : 022-67644212 ई-मेल आईडी : acmadvtgbct@gmail.com नोट : भावी बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर उपलब्ध ई-नीलामी लीज़िंग मॉड्यूल देखें। 1095

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly | हमें फालो करें: X.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

क्रमांक : ACN/7738/Gen/MN-1 दिनांक : 10/02/2026

विषय : पार्कसाइट, विक्रोली (पश्चिम) के बीट क्रमांक 124 में आकस्मिक कार्यों हेतु श्रमिक उपलब्ध कराने एवं नागरिकों की दैनिक शिकायतों के निवारण के लिए एनजीओ/संस्थाओं की नियुक्ति।

स्वरोजगार अभिव्यक्ति सूचना (EOI)

एन वार्ड के सहायक आयुक्त द्वारा पंजीकृत स्थानीय संस्थाओं जैसे – कामगार सहकारी संस्था, सहकारी सेवा संस्था, गैर-सरकारी संगठन (NGO), बेरोज़गार सेवा सहकारी संस्था, बचत गट (जिनका उद्देश्य अपने सदस्यों को रोज़गार उपलब्ध कराना है) आदि से स्वरोजगार अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित की जाती है। इन संस्थाओं की नियुक्ति लॉटरी पद्धति द्वारा एन वार्ड में श्रमिक/स्वयंसेवक उपलब्ध कराने हेतु की जाएगी।

क्र.सं.	योजना का नाम	आवश्यक संस्थाएँ	जांच (स्क्रूटनी) शुल्क
1	पार्कसाइट, विक्रोली (प.) के बीट क्रमांक 124 में आकस्मिक कार्यों हेतु श्रमिक उपलब्ध कराना एवं नागरिकों की दैनिक शिकायतों का निवारण	01	726/- + 18% जीएसटी कुल राशि : 856.68/-

इच्छुक एनजीओ दिनांक 11.02.2026 से 13.02.2026 तक, कार्य दिवसों में सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक, एन वार्ड के H.C. (Exp) कार्यालय से गैर-वापसी योग्य शुल्क 726/- + 18% जीएसटी (856.68/-) का भुगतान कर निविदा दस्तावेज़ों का पूरा सेट प्राप्त कर सकते हैं।
पात्र एवं अपात्र संस्थाओं की सूची कार्यालय सूचना पटल (Notice Board) पर प्रदर्शित की जाएगी।
एन वार्ड के सहायक आयुक्त द्वारा स्वरोजगार अभिव्यक्ति में उल्लिखित नियमों एवं शर्तों के अनुसार लॉटरी पद्धति से संस्थाओं की नियुक्ति की जाएगी।
पात्र संस्था एक ही शुल्क का भुगतान कर सभी योजनाओं के लिए आवेदन कर सकती है।
स्वरोजगार अभिव्यक्ति (EOI) जमा करने की अंतिम तिथि :14.02.2026 को दोपहर 3.00 बजे तक।
इसके बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

पीआरओ/2950/विज्ञा./2025-26

हस्ता/-
सहायक आयुक्त एन वार्ड

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

निजी विवादों की सनसनी और मीडिया की गिरती साख

पत्रकारिता का मूल उद्देश्य समाज को सही, संतुलित और उपयोगी जानकारी देना होता है। लोकतंत्र में इसे चौथा स्तंभ इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह सत्ता और समाज दोनों के बीच सेतु का काम करती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मीडिया के एक हिस्से में एक चिंताजनक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है—लोगों के निजी जीवन को सनसनीखेज बनाकर प्रस्तुत करना। हाल ही में फिल्म अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी के निजी विवाद को जिस तरह खबरों में उछाला गया, वह इसी गिरती हुई पत्रकारिता का उदाहरण है। किसी भी व्यक्ति का निजी जीवन उसकी गरिमा और अधिकारों से जुड़ा होता है। जब तक कोई मामला अपराध, कानून या व्यापक सार्वजनिक हित से संबंधित न हो, तब तक उसे बार-बार प्रसारित करना उचित नहीं कहा जा सकता। कलाकार और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग भी इंसान होते हैं। उनके पारिवारिक रिश्ते, मतभेद और संघर्ष निजी दायरे में ही रहने चाहिए। लेकिन आज मीडिया के कुछ हिस्सों में निजी जीवन को बाजार की वस्तु बना दिया गया है, जहां हर विवाद टीआरपी और क्लिक का साधन बन जाता है। यह प्रवृत्ति पत्रकारिता के मूल मूल्यों के खिलाफ है। पत्रकारिता का धर्म समाज से जुड़े मुद्दों को सामने लाना, व्यवस्था की खामियों पर सवाल उठाना और जनहित की बात करना होता है। लेकिन जब समाचार चैनलों और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निजी विवादों को प्रमुखता मिलने लगती है, तो गंभीर मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक असमानता जैसे विषयों पर गहन चर्चा की जरूरत होती है, परंतु उनकी जगह निजी विवादों की सनसनी छा जाती है। इस तरह की पत्रकारिता का सबसे बड़ा नुकसान मीडिया की साख को होता है। विश्वास किसी भी संस्थान की सबसे बड़ी पूंजी होता है। जब दर्शक यह महसूस करने लगते हैं कि मीडिया का उद्देश्य केवल चटपटी खबरें दिखाना है, तो वह धीरे-धीरे उस पर से भरोसा खो देता है। आज बहुत से लोग समाचार चैनलों और वेबसाइटों पर दिखाई जाने वाली खबरों को संदेह की नजर से देखने लगे हैं। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए भी खतरनाक है, क्योंकि जब मीडिया की विश्वसनीयता घटती है, तो सही और जरूरी सूचनाएं भी लोगों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पातीं। पत्रकारिता को यह समझना होगा कि टीआरपी और क्लिक के लिए अल्पकालिक लाभ मिल सकता है, लेकिन दीर्घकाल में साख खोने का नुकसान कहीं अधिक बड़ा होता है। मीडिया संस्थानों को यह तय करना होगा कि वे समाज के मार्गदर्शक बनना चाहते हैं या केवल सनसनी के व्यापारी। निजी जीवन की मर्यादा का सम्मान करना, तथ्यों की पुष्टि करना और सार्वजनिक हित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देना ही जिम्मेदार पत्रकारिता का मार्ग है। समय आ गया है कि मीडिया आत्ममंथन करे और अपनी प्राथमिकताओं को सही दिशा दे। पत्रकारिता का धर्म किसी की निजी पीड़ा को बाजार में बेचने का नहीं, बल्कि समाज को सचेत और जागरूक बनाने का है। यदि मीडिया अपनी जिम्मेदारी को नहीं समझेगा, तो उसकी साख लगातार गिरती जाएगी। अंततः वही मीडिया टिकेगा, जो सत्य, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व को अपने काम का आधार बनाएगा।

शख्सियत | थॉमस अल्वा एडिसन

आविष्कारों से रोशन करने वाला महान वैज्ञानिक

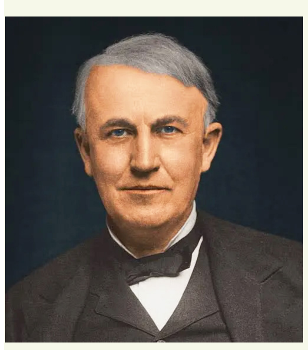

थॉमस अल्वा एडिसन आधुनिक इतिहास के उन विरल व्यक्तित्वों में से एक हैं, जिन्होंने न केवल दुनिया को रोशन किया, बल्कि मानव सभ्यता के विकास की गति को ही बदल दिया।

11 फरवरी 1847 को अमेरिका के ओहायो राज्य में जन्मे एडिसन की कहानी किसी चमत्कार से कम नहीं है। एक ऐसा बालक जिसे स्कूल के शिक्षकों ने 'मंदबुद्धि' कहकर निकाल दिया था, आगे चलकर अपनी जिज्ञासा और अटूट संकल्प के बल पर ₹मेनलो पार्क का जादूगर₹ कहलाया। एडिसन की औपचारिक शिक्षा मात्र तीन महीने ही चली। उनकी माँ, नैन्सी एडिसन, को अपने बेटे की क्षमताओं पर पूरा भरोसा था। उन्होंने घर पर ही थॉमस को पढ़ाना शुरू किया। माँ की इसी प्रेरणा ने एडिसन के भीतर स्वाध्याय और प्रयोग की ऐसी भूख जगाई कि उन्होंने बचपन में ही विज्ञान की कई जटिल पुस्तकें पढ़ डालीं। 12 साल की उम्र में उन्होंने ट्रेन में अखबार बेचना शुरू किया, लेकिन उनका ध्यान हमेशा प्रयोगों में ही रहता था। यहाँ तक कि उन्होंने ट्रेन के एक डिब्बे में अपनी छोटी सी प्रयोगशाला बना ली थी। युवावस्था में एक स्टेशन मास्टर के बच्चे की जान बचाने के बदले उन्हें टेलीग्राफ सीखने का अवसर मिला। टेलीग्राफ ऑपरेटर के रूप में काम करते हुए उन्होंने मशीनरी को गहराई से समझा। उनका पहला पेटेंट 'इलेक्ट्रिक वोट रिकॉर्डर' था, जो व्यापारिक रूप से सफल नहीं रहा। लेकिन इससे उन्हें यह बड़ी सीख मिली कि वे केवल वही आविष्कार करेंगे जिसकी समाज को आवश्यकता हो। एडिसन का सबसे क्रांतिकारी योगदान विद्युत बल्ब का आविष्कार है। बल्ब बनाने के प्रयास में वे 10,000 बार असफल हुए, लेकिन उन्होंने इसे असफलता नहीं माना। उनका कहना था, ₹मैं असफल नहीं हुआ हूँ, बल्कि मैंने 10,000 ऐसे तरीके खोज लिए हैं जो काम नहीं करते।₹ 1879 में उन्होंने अंततः एक ऐसा कार्बन फिलामेंट विकसित किया जो लंबे समय तक जल सकता था। सिर्फ बल्ब ही नहीं, एडिसन ने फोनोग्राफ (आवाज़ रिकॉर्ड करने वाला यंत्र), मोशन पिक्चर कैमरा (चलचित्र), और अल्कलाइन बैटरी जैसे कई महत्वपूर्ण आविष्कार किए। उनके नाम पर कुल 1,093 पेटेंट दर्ज हैं, जो उनकी रचनात्मकता और अथक परिश्रम का प्रमाण हैं। एडिसन ने न्यू जर्सी के मेनलो पार्क में दुनिया की पहली औद्योगिक अनुसंधान प्रयोगशाला स्थापित की। यह एक ऐतिहासिक कदम था क्योंकि यहाँ पहली बार आविष्कारों को एक टीम वर्क के रूप में अंजाम दिया गया। उन्होंने यह साबित किया कि विज्ञान केवल एकांत में की जाने वाली साधना नहीं, बल्कि एक संगठित उद्योग भी हो सकता है। एडिसन का जीवन दर्शन उनके प्रसिद्ध कथन में झलकता है: ₹प्रतिभा 1 प्रतिशत प्रेरणा और 99 प्रतिशत पसीना (परिश्रम) है।₹ वे अक्सर दिन में 18 से 20 घंटे काम करते थे। उनका मानना था कि असफलता केवल सफलता की दिशा में एक और कदम है। जब वे 67 वर्ष के थे, तब उनकी प्रयोगशाला में भीषण आग लग गई और उनका जीवन भर का काम खाक हो गया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अगले ही दिन से फिर से काम शुरू कर दिया।

21वीं सदी का अकेलापन

अमित बृज
डीबीडी के कार्यकारी संपादक हैं

परिवार और मित्रों के साथ समय बिताना मानसिक संतुलन के लिए जरूरी है। डिजिटल जीवन और वास्तविक जीवन के बीच संतुलन बनाना होगा। सामुदायिक गतिविधियों, स्वयंसेवी संगठनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जुड़ने से सामाजिक संपर्क बढ़ता है। कार्यस्थलों पर भी मानसिक स्वास्थ्य और मानवीय संबंधों को महत्व दिया जाना चाहिए।

21वीं सदी को विकास, तकनीक और भौतिक सुविधाओं की सदी कहा जाता है, लेकिन इस चमकदार प्रगति के बीच एक गंभीर सामाजिक संकट तेजी से उभर रहा है—मानसिक अकेलापन। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में हर छह में से एक व्यक्ति अकेलेपन से प्रभावित है। वैश्विक स्तर पर लगभग 23 प्रतिशत लोग यह स्वीकार करते हैं कि वे दिन के अधिकांश समय अकेलापन महसूस करते हैं। युवाओं में यह समस्या और भी गंभीर है। 13 से 29 वर्ष की आयु के लगभग 27 प्रतिशत युवाओं ने खुद को अक्सर अकेला महसूस करने की बात कही है। यह आंकड़े बताते हैं कि आधुनिक जीवन की रफ्तार ने मनुष्य को सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन भावनात्मक संतुलन छीन लिया है। इस अकेलेपन का सबसे बड़ा कारण भौतिक चीजों के पीछे अंधी दौड़ है।

आज सफलता का पैमाना धन, पद और उपभोग से जुड़ गया है। लोग अधिक कमाने, बेहतर जीवनशैली पाने और सामाजिक प्रतिष्ठा हासिल करने की होड़ में लगे हैं। इस दौड़ में रिश्ते, परिवार और सामाजिक जुड़ाव पीछे छूटते जा रहे हैं। भारत में भी पारिवारिक ढांचा तेजी से बदल रहा है। 2011 की जनगणना के अनुसार देश में एकल परिवारों की संख्या लगातार बढ़ रही है, और महानगरों में लगभग 60 प्रतिशत घर अब छोटे या एकल परिवारों के रूप में देखे जा रहे हैं।

इससे लोगों का सामाजिक सहारा सीमित होता जा रहा है और मानसिक अकेलापन बढ़ रहा है। दूसरा प्रमुख कारण मनुष्य का आत्मकेंद्रित होना है। पहले समाज में "हम" की भावना मजबूत थी, लेकिन अब "मैं" की सोच हावी होती जा रही है। करियर, व्यक्तिगत सफलता और निजी सुविधाओं को सबसे ऊपर रखा जा रहा है। रिश्तों में धैर्य और त्याग कम हो रहा है। भारत में तलाक के मामलों में भी वृद्धि देखी जा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-

5) के अनुसार शहरी क्षेत्रों में तलाक या अलगाव की दर पिछले दशक में बढ़ी है, जो पारिवारिक संबंधों की बदलती प्रकृति को दर्शाती है। जब रिश्ते कमजोर होते हैं, तो व्यक्ति भावनात्मक सहारे से वंचित हो जाता है। डिजिटल दुनिया ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक अध्ययन के अनुसार औसतन एक व्यक्ति प्रतिदिन 2.5 से 3 घंटे सोशल मीडिया पर बिताता है। भारत में यह समय कई युवाओं के लिए 4 से 5 घंटे तक पहुंच जाता है। लेकिन यह आभासी संपर्क वास्तविक संबंधों की जगह नहीं ले पाता। शोध बताते हैं कि जो लोग सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताते हैं, उनमें अकेलेपन और अवसाद की संभावना 20 से 30 प्रतिशत तक अधिक होती है। यह स्थिति दिखाती है कि तकनीक ने संपर्क तो बढ़ाया है, लेकिन जुड़ाव नहीं। अकेलेपन के दुष्परिणाम भी बेहद गंभीर हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के अनुसार अकेलापन हर वर्ष लगभग 8 से 9 लाख मौतों से जुड़ा हुआ है। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि लंबे समय तक अकेलेपन का असर रोजाना 15 सिगरेट पीने जितना नुकसानदेह हो सकता है। अमेरिका और यूरोप के शोध बताते हैं कि लगातार अकेलापन महसूस करने वाले लोगों में हृदय रोग का खतरा लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। भारत में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़े भी चिंताजनक हैं।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश में लगभग 10 से 12 प्रतिशत लोग किसी न किसी मानसिक समस्या से जूझ रहे हैं, जिनमें अकेलापन एक बड़ा कारण माना जाता है। इस बढ़ती समस्या का समाधान केवल व्यक्तिगत स्तर पर नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी जरूरी है। सबसे पहले लोगों को रिश्तों को प्राथमिकता देनी होगी। परिवार और मित्रों के साथ समय बिताना मानसिक संतुलन के लिए जरूरी है। डिजिटल जीवन और वास्तविक जीवन के बीच संतुलन बनाना होगा।

सामुदायिक गतिविधियों, स्वयंसेवी संगठनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जुड़ने से सामाजिक संपर्क बढ़ता है। कार्यस्थलों पर भी मानसिक स्वास्थ्य और मानवीय संबंधों को महत्व दिया जाना चाहिए। सरकार और समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करना होगा, जहां लोग केवल भौतिक सफलता ही नहीं, बल्कि भावनात्मक संतुलन को भी महत्व दें। अंततः यह समझना जरूरी है कि मनुष्य केवल भौतिक वस्तुओं से संतुष्ट नहीं हो सकता। उसका वास्तविक सुख रिश्तों, अपनत्व और भावनात्मक जुड़ाव में है। यदि समाज केवल दौड़ता रहेगा और संबंधों को पीछे छोड़ता जाएगा, तो भौतिक समृद्धि के बावजूद मानसिक गरीबी बढ़ती जाएगी। इसलिए 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि प्रगति के साथ मानवीय संबंधों और सामूहिक जीवन मूल्यों को भी बचाकर रखा जाए।

हमारी गीता

मन का कुरुक्षेत्र और 'मेरा' का मोह

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद्भगवद्गीता का आरंभ केवल एक प्रश्न से नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर छिपे अहंकार और संकीर्णता के उद्घाटन से होता है। जब धृतराष्ट्र संजय से पूछते हैं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः, मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय?₹ तब इस एक पंक्ति में 'मामकाः' (मेरे) और 'पाण्डवाः' (पांडु के पुत्र) शब्द पूरे संघर्ष की जड़ स्पष्ट कर देते हैं। 'मैं' और 'मेरा' का अंधकार धृतराष्ट्र केवल आँखों से अंधे नहीं थे, वे मोह और आसक्ति की गहराई में भी डूबे हुए थे। दुर्योधन के प्रति उनकी ममता ने उनकी विवेक-बुद्धि को कुंठित कर दिया था। पांडव, जो उनके सगे भाई के पुत्र थे और उन्हीं के संरक्षण में पले-बढ़े थे, उन्हें धृतराष्ट्र ने कभी अपना नहीं माना। यह 'भेदभाव' ही अधर्म की पहली सीढ़ी है। मनुष्य के भीतर भी सबसे पहली वृत्ति 'मैं' की जागती है। जागते ही हमें किसी आईने की जरूरत नहीं होती, हमारा अहंकार स्वतः सक्रिय हो जाता है। जब यह 'मैं' विस्तृत होकर 'मेरा' (मेरा परिवार, मेरा धन, मेरा पक्ष) बन जाता है, तब व्यक्ति न्याय और अन्याय के बीच की रेखा को धुंधला कर देता है। ज्ञान और आचरण की दूरी गीता का यह प्रसंग एक गहरा मनोवैज्ञानिक सत्य उजागर करता है। संजय को दिव्यदृष्टि मिली,

वे भगवान के वचनों को सुनकर हर्षित हुए। अर्जुन का मोह भंग हुआ और वे कर्तव्य पथ पर बढ़े। लेकिन धृतराष्ट्र, जिसने साक्षात ईश्वरीय संदेश को सुना, वह अंत तक अपरिवर्तित रहे। यह स्थिति आज के आधुनिक मनुष्य जैसी ही है। हम साक्षर हैं, शास्त्र जानते हैं, और सड़क पर चलने के नियम भी पढ़ते हैं, लेकिन जब तक वह ज्ञान आचरण में नहीं उतरता, वह केवल सूचना मात्र है। धृतराष्ट्र उस व्यक्ति का प्रतीक हैं जो सत्य को 'सुनता' तो है, पर उसे 'जीने' का साहस नहीं जुटा पाता। निष्कर्ष गीता का नाटक अद्भुत है; यह धृतराष्ट्र के प्रश्न से शुरू होता है और संजय के उद्घोष पर समाप्त, लेकिन धृतराष्ट्र की चुप्पी उनके भीतर के खालीपन को दर्शाती है। यह हमें सिखाता है कि जब तक हम 'मैं और मेरा' के संकुचित घेरे से बाहर नहीं निकलेंगे, तब तक दुनिया का श्रेष्ठतम ज्ञान भी हमारे जीवन में प्रकाश नहीं ला पाएगा।य

जीवन ऊर्जा | जन्म

युकियो हातोयामा : जन्म 11 फरवरी, 1947

सच्चा नेतृत्व सेवा से जन्म लेता है

युकियो हातोयामा जापान के प्रमुख राजनेता और पूर्व प्रधानमंत्री रहे हैं। उनका जन्म 11 फरवरी 1947 को हुआ। वे डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान के नेता थे और 2009 में प्रधानमंत्री बने।

उन्होंने अमेरिका-जापान संबंधों और प्रशासनिक सुधारों पर जोर दिया। उनका परिवार जापान की राजनीति में प्रभावशाली रहा है। राजनीति का उद्देश्य जनता के जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए। लोकतंत्र में जनता की आवाज सबसे महत्वपूर्ण होती है। सरकार को लोगों के विश्वास पर खरा उतरना चाहिए। सच्चा नेतृत्व सेवा से जन्म लेता है, सत्ता से नहीं। समाज में समान अवसर ही स्थायी विकास का आधार हैं। राजनीति में पारदर्शिता विश्वास को मजबूत करती है। राष्ट्र की प्रगति जनता की खुशहाली से मापी जानी चाहिए। संवाद ही मतभेदों का सबसे प्रभावी समाधान है। सरकार का कर्तव्य है कि वह कमजोर

वर्गों की रक्षा करे। शांति और सहयोग से ही विश्व का भविष्य सुरक्षित है। शिक्षा समाज के विकास की सबसे बड़ी शक्ति है। आर्थिक विकास का लाभ हर नागरिक तक पहुंचना चाहिए। राजनीति में नैतिकता अनिवार्य है। जनता का विश्वास ही सरकार की असली ताकत है। क्षेत्रीय सहयोग से ही स्थायी शांति संभव है। पर्यावरण संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी है। सत्ता का उपयोग सेवा के लिए होना चाहिए, स्वार्थ के लिए नहीं। लोकतंत्र में जवाबदेही आवश्यक है। सामाजिक न्याय से ही राष्ट्र मजबूत बनता है। नेतृत्व का मतलब है लोगों को साथ लेकर चलना। जनता की समस्याओं को समझना ही राजनीति का पहला कदम है। नीति निर्माण में मानवीय दृष्टिकोण जरूरी है। राष्ट्र का विकास तभी सार्थक है, जब हर व्यक्ति आगे बढ़े। राजनीति में ईमानदारी सबसे बड़ी पूंजी है। सहयोग से ही अंतरराष्ट्रीय संबंध मजबूत होते हैं। जनता की भलाई ही हर निर्णय का आधार होनी चाहिए। शांति ही विकास की पहली शर्त है। लोकतंत्र में संवाद का स्थान सर्वोपरि है। सरकार को जनता के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

शब्दों का विष और महाभारत का सत्य

महाभारत केवल एक युद्ध की कथा नहीं है, बल्कि मनुष्य के कर्म, अहंकार, प्रतिशोध और उनके परिणामों का गहरा दर्शन भी है। कुरुक्षेत्र का 18 दिन का युद्ध केवल राजसिंहासन के लिए लड़ा गया संघर्ष नहीं था, बल्कि वह मानव स्वभाव की कमजोरियों और गलत निर्णयों की कीमत का प्रतीक बन गया। इस युद्ध ने पूरे आर्यावर्त को शोक में डुबो दिया। हस्तिनापुर की गलियों में पुरुष कम और विधवाएं अधिक दिखाई देती थीं। अनाथ बच्चों की करुण पुकार हर ओर गूंज रही थी। ऐसे ही वातावरण में महारानी द्रौपदी महल के एक कक्ष में निश्चेष्ट बैठी शून्य को निहार रही थीं। उनके मन में प्रतिशोध की ज्वाला तो शांत हो चुकी थी, पर उसके परिणामों का बोझ असहनीय था। तभी श्रीकृष्ण उनके कक्ष में प्रवेश करते हैं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

द्रौपदी उन्हें देखते ही फूट पड़ती हैं और कृष्ण से लिपटकर रोने लगती हैं। कृष्ण उन्हें शांत होने देते हैं, फिर समझाते हैं कि नियति मनुष्य की इच्छाओं के अनुसार नहीं चलती, बल्कि उसके कर्मों के अनुसार परिणाम देती है। द्रौपदी के मन में प्रश्न उठता है कि क्या इस विनाश के लिए वही उत्तरदायी हैं।

कृष्ण उन्हें यह समझाते हैं कि कोई भी घटना केवल एक व्यक्ति के कारण नहीं होती, लेकिन हर व्यक्ति के कर्म उसमें अपना योगदान अवश्य देते हैं। यदि जीवन में थोड़ी दूरदर्शिता और संयम रखा जाए, तो कई दुखद घटनाओं से बचा जा सकता है। कृष्ण उन्हें स्मरण कराते हैं कि स्वयंवर में कर्ण का अपमान और दुर्योधन के प्रति कटु वचन भी उन घटनाओं की कड़ी थे, जिन्होंने अंततः महायुद्ध का रूप लिया। यह बात केवल द्रौपदी के लिए नहीं, बल्कि हर मनुष्य के लिए एक गहरी सीख

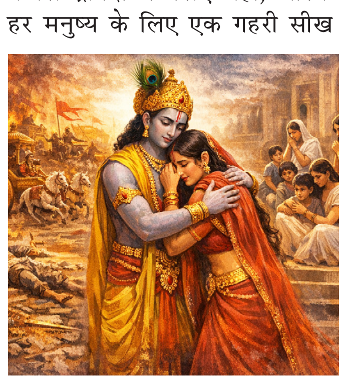

है कि हमारे शब्द भी कर्म के समान ही प्रभावशाली होते हैं। एक कठोर वचन कभी-कभी तलवार से भी अधिक गहरा घाव कर देता है। आज के समाज में भी यही स्थिति देखने को मिलती है।

लोग अपने शब्दों के प्रभाव को समझे बिना कटु भाषण, अपमानजनक टिप्पणियां और द्वेषपूर्ण संवाद करते हैं। परिवारों में, समाज में और यहां तक कि राष्ट्रों के बीच भी कई संघर्ष केवल शब्दों की असावधानी से जन्म लेते हैं। मनुष्य के पास वाणी का वरदान है, लेकिन वही वाणी उसके लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। महाभारत हमें सिखाता है कि प्रतिशोध कभी समाधान नहीं होता। वह केवल दुख की श्रृंखला को लंबा करता है। द्रौपदी का अपमान निंदनीय था, पर उस अपमान का प्रतिशोध अंततः पूरे समाज के लिए विनाशकारी सिद्ध हुआ।

यह कथा बताती है कि क्रोध और अहंकार के क्षणिक निर्णय आने वाली पीढ़ियों तक पीड़ा पहुंचा सकते हैं। इस संसार में मनुष्य ही एकमात्र ऐसा प्राणी है, जिसका विष उसके दांतों में नहीं, बल्कि उसके शब्दों में होता है। इसलिए हर शब्द बोलने से पहले उसे तोलना आवश्यक है। मधुर वाणी जहां संबंधों को मजबूत करती है, वहीं कटु शब्द रिश्तों, समाज और कभी-कभी पूरी सभ्यता को भी तोड़ देते हैं। महाभारत का यह प्रसंग हमें यही सिखाता है कि जीवन में संयम, दूरदर्शिता और वाणी पर नियंत्रण ही सच्ची बुद्धिमत्ता है। यदि मनुष्य अपने शब्दों और कर्मों पर नियंत्रण रखे, तो अनेक युद्ध केवल इतिहास की कहानियां बनकर रह जाएंगे और समाज में शांति और सद्भाव का वातावरण कायम रहेगा।

अपने विचार

सलमान खान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के कार्यक्रम में गए या नहीं गए, यह किस तरह का सवाल है? सलमान खान भारतीय नागरिक नहीं है क्या? वह है। सलमान खान एक भारतीय नागरिक हैं। वे घर में भगवान गणेश की स्थापना करते हैं। हमारी संस्कृति का सम्मान करते हैं और उनका परिवार भी ऐसा ही करता है।

एकनाथ शिंदे
डिप्टी सीएम, महाराष्ट्र

मेरा मानना है कि नरवणे जी ने अपनी किताब में कुछ ऐसे बयान दिए हैं जो भारत सरकार और प्रधानमंत्री के लिए असुविधाजनक हैं। स्पष्ट है कि आपको यह तय करना होगा कि पेंगुइन सच बोल रहा है या पूर्व थलसेना प्रमुख।' प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुक गए।

राहुल गांधी
नेता विपक्ष

कांग्रेस पार्टी को अपने MPs के सबसे घटिया बर्ताव पर गर्व है! अगर हमने सभी BJP MPs को नहीं रोका होता और अपनी महिला सांसदों को कांग्रेस की सांसदों से भिड़ने दिया होता, तो बहुत बुरा सीन हो जाता। संसद की गरिमा और पवित्रता की रक्षा करना हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

किरण रिजिजू
केंद्रीय मंत्री, भारत

बजट आने से पहले और बजट आने के बाद पूरे देश में अमेरिका से डील को लेकर हल्ला कराया जा रहा है। बीजेपी ने दावे किए कि हमने दुनिया में कई देशों से फ्री ट्रेड डील कर ली है। उनसे जानना चाहूंगा कि कितने देश बचे हैं, जिनसे फ्री ट्रेड डील नहीं कर पाए हैं। हम इतने बजट ला रहे हैं, लेकिन हमारी पर कैपिटा इनकम नहीं बढ़ पा रही है।

अखिलेश यादव
अध्यक्ष, सपा

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

ठाणे ज़िला परिषद को ई-गवर्नेंस में राज्य स्तरीय सम्मान

ठाणे। महाराष्ट्र सरकार के 150 दिवसीय ई-गवर्नेंस सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत हुए मूल्यांकन में ठाणे ज़िला परिषद ने पूरे राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रशासनिक दक्षता का लोहा मनवाया है। इस ऐतिहासिक सफलता पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे ज़िला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) और पूरी टीम को विशेष रूप से बधाई दी है। यह उपलब्धि सात प्रमुख तकनीकी मानदंडों पर आधारित थी, जिनमें आधिकारिक वेबसाइट प्रणाली, 'आपले सरकार' पोर्टल, ई-ऑफिस कार्यान्वयन, कार्यालय डैशबोर्ड, व्हाट्सएप चैटबॉट, और अत्याधुनिक एआई (AI) व ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के साथ-साथ जीआईसी सिस्टम का प्रभावी उपयोग शामिल है।

सिस्टम को दोष दिए बिना कड़ी मेहनत से हालात बदलें: डॉ. संचेती

ठाणे। ठाणे नगर निगम (मनपा) और रोटरी क्लब के सहयोग से संचालित 'स्किल डेवलपमेंट सेंटर' के प्रथम दीक्षांत समारोह में मनपा उपायुक्त डॉ. मिताली संचेती ने छात्रों को सफलता का मूलमंत्र दिया। नौपाड़ा स्थित मनपा स्कूल नंबर 19 में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. संचेती ने स्पष्ट किया कि किसी भी क्षेत्र में परिस्थितियों को बदलने के लिए व्यवस्था को दोष देने के बजाय कड़ी मेहनत और निरंतरता पर ध्यान देना चाहिए। इस अभिनव पहल के तहत रोटरी क्लब और ब्लू स्टार कंपनी के सहयोग से एसी, रेफ्रिजरेटर और वाटर कूलर रिपेयरिंग का तीन महीने का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें पहले चरण के 11 छात्रों ने अपनी ट्रेनिंग पूरी कर ली है। रोटरी न केवल उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री के साथ प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है, बल्कि युवाओं को रोजगार और व्यवसाय के अवसर भी उपलब्ध करा रहा है।

अगली पीढ़ी के लिए मेहनत कर रहे हैं हम : अजीथा नायर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

वीपीएम के इंग्लिश स्कूल, मुलुंड में एक्टिविटी डिस्प्ले डे का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जिससे विद्यालय परिसर उत्सवमय माहौल से भर गया।

अंकों से आगे की शिक्षा पर ज़ोर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूल की प्रिंसिपल अजीथा नायर ने कहा कि हमारा उद्देश्य ऐसे बच्चे तैयार करना नहीं है, जो केवल 100 में से 100 अंक हासिल करें, बल्कि हम ऐसे आत्मविश्वास से भरे बच्चों को गढ़ना चाहते हैं, जो भविष्य में जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बन सकें। उन्होंने कहा, "हम अगली पीढ़ी के लिए कठिन परिश्रम कर रहे हैं।"

अभिभावकों से संवाद की आवश्यकता

प्रिंसिपल नायर ने अभिभावकों से संवाद करते हुए कहा कि आज के आधुनिक दौर में बच्चे जल्दी परिपक्व हो रहे हैं, ऐसे में माता-पिता का बच्चों से संवाद बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बच्चे सिखाने से ज्यादा आपके व्यवहार से सीखते हैं, इसलिए घर का वातावरण सकारात्मक और सहयोगपूर्ण होना चाहिए।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

कार्यक्रम की शुरुआत मधुर संगीत से हुई, जिसने पूरे माहौल को आनंदमय बना दिया। इसके बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। कराटे प्रदर्शन में बच्चों ने अपनी फुर्ती, अनुशासन और आत्मरक्षा कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

यादगार बना एक्टिविटी डिस्प्ले डे

शारीरिक शिक्षा (पी.ई.) के अंतर्गत विभिन्न व्यायाम और खेल गतिविधियां प्रस्तुत की गईं, जिनके माध्यम से स्वास्थ्य और फिटनेस का महत्व बताया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में स्केटिंग प्रदर्शन हुआ, जिसमें बच्चों ने संतुलन, साहस और आत्मविश्वास का शानदार परिचय दिया।

शिरसाड-अंबाड़ी सड़क खुदाई से ग्रामीण परेशान

▶▶ विधायक विलास तरे ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

ओपी यादव | विरार

शिरसाड–अंबाड़ी के बीच चल रहे सड़क खुदाई कार्य के कारण क्षेत्र के ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बोईसर विधानसभा के विधायक विलास तरे ने संबंधित अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। पिछले डेढ़ महीने से सड़क पर अत्यंत धीमी गति से चल रहे कार्य के कारण दैनिक यातायात पूरी तरह अव्यवस्थित हो गया है। इससे न केवल आम नागरिकों को परेशानी हो रही है, बल्कि सड़क सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हाल ही में संपन्न जिला नियोजन समिति की बैठक में भी विधायक विलास तरे ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। निरीक्षण के दौरान विधायक विलास तरे ने सड़क की मौजूदा स्थिति की गहन जानकारी ली और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। पिछले छह महीनों में इस सड़क पर हुए हादसों में 4 लोगों की मौत, 5 लोग गंभीर रूप से घायल और 5 लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं। इसके अलावा एक छोटे बच्चे की उंगली कटने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना भी सामने आई है। स्थानीय लोगों ने संबंधित यंत्रणाओं की लापरवाही को लेकर तीव्र आक्रोश व्यक्त किया।

मार्च में 3,000 घरों की नई लॉटरी का ऐलान

दीपक पवार | मुंबई

पिछले ढाई वर्षों में पुणे हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट बोर्ड ने 20 प्रतिशत कॉम्प्रिहेंसिव स्कीम के तहत लगभग 25,000 सस्ते घर बिक्री के लिए उपलब्ध कराए हैं। MHADA की पारदर्शी कार्यप्रणाली और गुणवत्तापूर्ण निर्माण के कारण आम नागरिकों का भरोसा लगातार बढ़ा है। इसका प्रमाण 4,186 घरों के लिए प्राप्त 2,15,965 आवेदन हैं। MHADA की डिविजनल यूनिट पुणे हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट बोर्ड ने पुणे, पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका, PMRDA क्षेत्र के साथ-साथ सोलापुर, कोल्हापुर और सांगली जिलों में स्थित विभिन्न परियोजनाओं के 4,186 फ्लैट्स की बिक्री के लिए कंप्यूटराइज्ड लॉटरी आयोजित की। यह लॉटरी पुणे जिला परिषद के शरदचंद्र पवार हॉल में पुणे बोर्ड के चेयरमैन शिवाजीराव अधलराव पाटिल द्वारा निकाली गई। लॉटरी के अवसर पर चेयरमैन शिवाजीराव अधलराव पाटिल ने घोषणा की कि मार्च माह में लगभग 3,000 सस्ते घरों की एक और लॉटरी निकाली जाएगी।

पश्चिम रेलवे चलाएगी तीन जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं होली त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए, बांद्रा टर्मिनस–वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बांद्रा टर्मिनस– सूबेदारगंज तथा असारवा–आगरा कैंट के बीच विशेष किराए पर तीन जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने यह जानकारी दी।

बांद्रा टर्मिनस – सूबेदारगंज सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 04126 बांद्रा टर्मिनस–सूबेदारगंज सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को बांद्रा टर्मिनस से 11.15 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 17.00 बजे सूबेदारगंज पहुंचेगी। यह ट्रेन 03 मार्च से 31 मार्च, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04125 सूबेदारगंज–बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक सोमवार को सूबेदारगंज से 05.20 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 09.30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 02 मार्च से 30 मार्च, 2026 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, रूपबास, फतेहपुर सीकरी, आगरा ईदगाह, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी एवं फतेहपुर स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास एवं जनरल सकेंड क्लास कोच होंगे।

बांद्रा टर्मिनस–वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 02200 बांद्रा टर्मिनस – वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्पेशल प्रत्येक शनिवार को बांद्रा टर्मिनस से 05.10 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 05.00 बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी पहुंचेगी। यह ट्रेन 07 मार्च से 28 मार्च, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 02199 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी – बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से 16.50 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 16.10 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 05 मार्च से 26 मार्च, 2026 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, उधना, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, बियावरा राजगढ़, चाचुरा बिनागंज, रूठियाई, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, डबरा एवं दतिया स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास एवं जनरल सकेंड क्लास कोच होंगे।

असारवा – आगरा कैंट स्पेशल

ट्रेन संख्या 01920 असारवा – आगरा कैंट स्पेशल मंगलवार एवं बुधवार को छोड़कर प्रतिदिन असारवा से 14.50 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 07.45 बजे आगरा कैंट पहुंचेगी। यह ट्रेन 02 मार्च से 30 मार्च, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 01919 आगरा कैंट–असारवा स्पेशल सोमवार एवं मंगलवार को छोड़कर प्रतिदिन आगरा कैंट से 18.10 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 11.10 बजे असारवा पहुंचेगी। यह ट्रेन 01 मार्च से 29 मार्च, 2026 तक चलेगी।

सोलापुर–सीएसएमटी मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस के 3 साल पूरे

डीबीडी संवाददाता | सोलापुर

सोलापुर–छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस ने 10 फरवरी 2026 को अपनी डेडिकेटेड यात्री सेवा के तीन साल सफलतापूर्वक पूरे कर लिए। यह उपलब्धि आधुनिक रेल कनेक्टिविटी और यात्रियों के बेहतर आराम की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

▶▶ 102.27% ऑक्यूपेंसी के साथ 23 लाख से अधिक यात्रियों को दी सेवा

प्रधानमंत्री ने दिखाई थी हरी झंडी

इस प्रतिष्ठित सेवा का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 फरवरी 2023 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई से हरी झंडी दिखाकर किया था। यह देश की 9वीं वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन थी, जिसे देश की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई और टेक्सटाइल एवं हुतात्माओं (शहीदों) के शहर सोलापुर के बीच तेज़ और विश्वस्तरीय रेल कनेक्टिविटी के उद्देश्य से शुरू किया गया था।

डिमांड बढ़ी तो कोच भी बढ़े

शुरुआत में 16 कोच वाले वंदे भारत ट्रेनसेट के साथ शुरू की गई इस सेवा में यात्रियों की भारी मांग देखने को मिली, जिसके बाद अगस्त 2025 में इसे बढ़ाकर 20 कोच का रेक कर दिया गया। वर्तमान में ट्रेन में कुल 1,440 यात्रियों के बैठने की क्षमता है, जिसमें 1,336 चेयर कार (CC) और 104 एग्जीक्यूटिव चेयर कार (EC) सीटें शामिल हैं।

धार्मिक और पर्यटन कनेक्टिविटी को बढ़ावा

आर्थिक और सामाजिक संबंधों को मज़बूत करने के साथ-साथ इस ट्रेन ने धार्मिक और पर्यटन कनेक्टिविटी को भी काफी बढ़ाया है। यह सेवा सिद्धेश्वर मंदिर (सोलापुर), अक्कलकोट, तुलजापुर और पंढरपुर जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों को जोड़ती है, वहीं आलंदी तक भी बेहतर संपर्क उपलब्ध कराती है। शुरुआत से ही यह ट्रेन दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों, व्यवसायियों, पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की पसंदीदा बन चुकी है।

23 लाख से अधिक यात्रियों का सफर

इस ट्रेन की लोकप्रियता इसकी शानदार परफॉर्मेंस से साफ झलकती है। जनवरी 2026 तक इसने कुल 23,43,598 यात्रियों को यात्रा कराई है और इसकी औसत ऑक्यूपेंसी 102.27 प्रतिशत दर्ज की गई है।

कम समय में तेज़ सफर

ट्रेन नंबर 22226/22225 सोलापुर–CSMT मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस मात्र 6 घंटे 30 मिनट में 455 किलोमीटर की दूरी तय करती है, जबकि मौजूदा सुपरफास्ट ट्रेनें यही दूरी लगभग 7 घंटे 55 मिनट में पूरी करती हैं। इससे यात्रियों का करीब 1 घंटा 30 मिनट का समय बचता है। फिलहाल यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन संचालित होती है और कुर्दुवाड़ी, दौंड, पुणे, कल्याण, ठाणे और दादर स्टेशनों पर रुकती है।

एडवांस टेक्नोलॉजी की मिसाल

सोलापुर–CSMT मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस की एक बड़ी खासियत इसमें इस्तेमाल की गई आधुनिक पुश-एंड-पुल टेक्नोलॉजी है, जिससे बिना बैंकर लोकोमोटिव के संचालन संभव हो पाता है। यह ट्रेन कठिन भोर घाट (कर्जत–लोनावला–खंडाला) सेक्शन पर भी सुचारु रूप से चढ़ाई–उतराई करती है, जहां 37 में से 1 की सबसे तीव्र ढलान है।

295 किमी से अधिक पर नॉन-सिग्नलिंग कवच ट्रायल पूरा

डीबीडी संवाददाता | पुणे

मध्य रेलवे के पुणे डिवीजन ने भारत के स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (ATP) सिस्टम कवच को लागू करने में उल्लेखनीय मील के पत्थर हासिल किए हैं। यह पहल रेल सुरक्षा और परिचालन विश्वसनीयता को मजबूत करने की दिशा में डिवीजन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। चल रहे प्रयासों के तहत पुणे डिवीजन की कुल 700 किमी रूट लंबाई में से 295 किमी से अधिक हिस्से पर नॉन-सिग्नलिंग कवच ट्रायल सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं। इनमें पुणे–कोल्हापुर और दौंड–मनमाड (DD–MMR) सेक्शन शामिल हैं। ये ट्रायल पूरे डिवीजन में कवच की बड़े पैमाने पर तैनाती की दिशा में एक अहम कदम माने जा रहे हैं।

चरण-II में स्टेशनों पर इंस्टॉलेशन पूरा

कवच चरण–II के अंतर्गत पुणे डिवीजन के तीन स्टेशन–पाधेगांव, बेलापुर और राहुरी–में इंस्टॉलेशन का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा, दौंड–येओला सेक्शन में कवच इंस्टॉलेशन का काम प्रगति पर है। दूरसंचार इंफ्रास्ट्रक्चर के तहत प्रस्तावित 123 टावरों में से अब तक 53 कवच टावर स्थापित किए जा चुके हैं।

PADX में लोको कवच का सफल इंस्टॉलेशन

रेलवे बोर्ड के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले निर्देशों के अनुरूप लोकोमोटिव पर कवच इंस्टॉलेशन का कार्य तत्काल आधार पर शुरू किया गया। पुणे डिवीजन ने PADX (पुणे डीजल और इलेक्ट्रिक लोको शेड) में लोको कवच इंस्टॉलेशन के साथ एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। यह कार्य 12 नवंबर 2025 को शुरू हुआ और मात्र 18 दिनों में 30 नवंबर 2025 तक सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। इस दौरान चार WAP-7 लोकोमोटिव (37345, 39049, 39005 और 37726) को कवच से लैस किया गया। प्रक्रिया में सामग्री निरीक्षण, इंस्टॉलेशन और विस्तृत परीक्षण शामिल थे, जिसके बाद लोकोमोटिव को ट्रैफिक सेवा के लिए जारी किया गया। यह इंस्टॉलेशन पहली बार शेड में उपलब्ध संसाधनों और निरीक्षण विंडो का उपयोग करते हुए CLW LOA-स्वीकृत फर्म (कर्नेक्स) के साथ घनिष्ठ समन्वय में किया गया। कार्य की दक्षता, गति और गुणवत्ता को देखते हुए PADX की कवच इंस्टॉलेशन टीम को उपयुक्त पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष योजना फलीभूत होगी। मनमाफिक स्थानांतरण या पदोन्नति हो सकती है। कार्यस्थल पर सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार की चिंता रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूर से अच्छी खबर मिल सकती है।

वृष डूबी हुई रकम प्राप्त होने के योग हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। कोई बुरी खबर मिल सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है।

मिथुन ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। भूमि व भवन आदि के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी में चैन रहेगा। शत्रु परस्त होंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। सभी कार्य पूर्ण होंगे।

कर्क फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। धन की तंगी होगी। बेकार बातों पर ध्यान न दें। विचारों की स्पष्टता न होने से उलझनें रहेंगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। नौकरी में स्थानांतरण या परिवर्तन संभव है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

सिंह प्रियजनों के साथ बेवजह रिश्तों में खटास आ सकती है। लोगों की अपेक्षाएं बढ़ेंगी। हताशा का अनुभव होगा। मन की बात किसी को न बतलाएं। संवेदनशीलता बढ़ेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें।

कन्या पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। शैक्षणिक व शोध कार्य मनोनुकूल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। उत्साह व प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में कोई नया कार्य कर पाएंगे। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा।

तुला नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। मेहनत का फल प्राप्त होगा। अपेक्षित कार्य समय पर पूरे होंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबारी लाभ बढ़ेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे।

वृश्चिक दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट से आशातीत लाभ होगा। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। तनाव व चिंता में कमी होगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

धनु चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि की संभावना है। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। बिना वजह कहासुनी हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा यथासंभव टालें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। धैर्य रखें।

मकर राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। कोई रुका काम बन सकता है। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कुंभ आत्मसम्मान बना रहेगा। अच्छी खबर प्राप्त होगी। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। भूले-बिसरे साथी तथा रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

मीन भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। कारोबारी लाभ बढ़ेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी न करें।

स्वर्ण के लोप से ग्रह संकेत और जीवन पर पड़ने वाले रहस्यमय प्रभाव

प्रियंका जैन
9769994439

धार्मिक, ज्योतिषीय और सांस्कृतिक परंपराओं में स्वर्ण यानी सोने को केवल एक धातु नहीं, बल्कि लक्ष्मी, समृद्धि, तेज और सौभाग्य का प्रत्यक्ष प्रतीक माना गया है। हिंदू धर्म में सोने का विशेष स्थान है। विवाह, यज्ञ, पूजा, दान और शुभ संस्कारों में स्वर्ण का प्रयोग इसलिए किया जाता है क्योंकि इसे सात्त्विक, शुद्ध और शुभ ऊर्जा का वाहक माना गया है। ऐसे में जब जीवन में अचानक सोना खो जाए, टूट जाए या गुम हो जाए, तो इसे केवल आर्थिक हानि के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि इसके पीछे छिपे सूक्ष्म संकेतों को भी समझने का प्रयास किया जाता है। ज्योतिष शास्त्र और लोक मान्यताओं में सोना खोना कई प्रकार के शुभ और अशुभ संकेतों की ओर इशारा करता है, जिनका संबंध व्यक्ति के ग्रहों, भाग्य, स्वास्थ्य और सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ा गया है।

ज्योतिष की दृष्टि से सोने का सीधा संबंध बृहस्पति ग्रह से माना जाता है। बृहस्पति ज्ञान, विवाह, संतान, धर्म, नैतिकता और समृद्धि का कारक ग्रह है। जब किसी व्यक्ति का सोना गुम हो जाता है, तो यह संकेत माना जाता है कि उसके कुंडली में बृहस्पति कमजोर हो रहा है या किसी प्रकार की बाधा की स्थिति में है। इसका प्रभाव व्यक्ति की शिक्षा, वैवाहिक जीवन और मानसिक संतुलन पर पड़ सकता है। कई बार पेट से संबंधित समस्याएं, वजन असंतुलन या पाचन संबंधी परेशानियां भी ऐसे समय में सामने आती हैं। यह संकेत चेतावनी की तरह होता है कि व्यक्ति को अपने आचरण, खानपान और जीवनशैली पर ध्यान देना चाहिए।

यदि सोने की अंगूठी खो जाए, तो इसे स्वास्थ्य से जोड़कर देखा जाता है। अंगूठी शरीर की ऊर्जा रेखाओं और नाड़ियों से जुड़ी मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि अंगूठी का खोना यह संकेत देता है कि आने वाले समय में व्यक्ति को शारीरिक कमजोरी, थकान, रक्तचाप या हृदय से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यह भी कहा जाता है कि ऐसे समय में व्यक्ति को नियमित स्वास्थ्य जांच, संयमित जीवन और सकारात्मक सोच अपनानी चाहिए। कान में पहना जाने वाला सोना, जैसे बाली, झुमकी या अन्य आभूषण, व्यक्ति की प्रतिष्ठा और सुने जाने वाले समाचारों से जुड़ा माना जाता है। यदि यह गुम हो जाए, तो परंपरागत मान्यताओं के अनुसार यह किसी अशुभ या चिंताजनक समाचार के मिलने का संकेत हो सकता है। कई बार यह परिवार, संबंध या कार्यक्षेत्र से जुड़ी ऐसी सूचना का संकेत देता है, जो मन को विचलित कर सकती है। ऐसे समय में धैर्य रखना और बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देने से बचना उचित माना गया है।

नाक में पहना जाने वाला सोना, जैसे चुन्नी, बाली या कांटा, स्त्री के सम्मान, सामाजिक छवि और मान-सम्मान से जोड़ा जाता है। इसके खोने को अपयश या बदनामी का संकेत माना गया है। यह संकेत देता है कि व्यक्ति को अपने व्यवहार, वाणी और निर्णयों में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि छोटी सी चूक भी समाज में गलत संदेश दे सकती है। यह समय आत्मसंयम और विवेक से काम लेने का माना जाता है। सोने के गहनों, विशेष रूप से हीरे या मोती जड़े आभूषणों का खो जाना, ज्योतिष और लोक मान्यताओं में अशुभ माना गया है। ऐसे आभूषण केवल धन ही नहीं, बल्कि व्यक्ति की उपलब्धियों, मेहनत और प्रतिष्ठा के प्रतीक होते हैं।

रेडी हो गया जेवर एयरपोर्ट

एक नजर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

स्थान : जेवर, गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)
कुल प्रस्तावित क्षेत्रफल :
- लगभग 5,000 हेक्टेयर
- (पहला चरण : 1,334 हेक्टेयर)

कुल अनुमानित परियोजना लागत :
- लगभग 29,500 करोड़ (पहला चरण)
- (पूर्ण परियोजना में आगे चरणबद्ध विस्तार प्रस्तावित)

रनवे (प्रथम चरण)
- एक रनवे (भविष्य में 5 रनवे तक विस्तार की योजना)
- उद्घाटन के बाद उत्तर प्रदेश का 5वां अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट

- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट सर्विस के लिए तैयार, अंतिम औपचारिकताएं शेष
- मुख्य सचिव ने साझा किया प्रगति वीडियो, यात्री सुविधाओं का सफल परीक्षण

एजेंसी । नोएडा

उत्तर प्रदेश को वैश्विक हवाई मानचित्र पर नई पहचान दिलाने वाला नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब पूरी तरह तैयार हो चुका है। टर्मिनल भवन से लेकर अत्याधुनिक निगरानी, संचार और नेविगेशन प्रणालियों तक सभी प्रमुख निर्माण और तकनीकी कार्य पूरे कर लिए गए हैं। राज्य के मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एयरपोर्ट की तैयारियों का वीडियो साझा कर इसकी पुष्टि की। मुख्य सचिव द्वारा जारी वीडियो में एयरपोर्ट संचालन से जुड़े हर आवश्यक घटक की प्रगति को दर्शाया गया है। इसमें एयरपोर्ट तक पहुंचने वाली एक्सेस रोड, ईंधन भंडारण टैंक, एयरपोर्ट ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर, जल एवं सीवेज प्रबंधन प्रणाली, सुरक्षा चेक पोस्ट, भव्य टर्मिनल भवन, घरेलू उड़ानों के चेक-इन काउंटर, ई-गेट्स, बैगेज हैंडलिंग सिस्टम, यात्री लाउंज, विमान पार्किंग के लिए एप्रन, कार्गो टर्मिनल, सोलर फार्म, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर, ग्राउंड हैंडलिंग वाहनों के लिए सीएनजी पंप, ईवी चार्जिंग स्टेशन, रनवे, टैक्सी-वे और उन्नत नेविगेशन सिस्टम शामिल हैं।

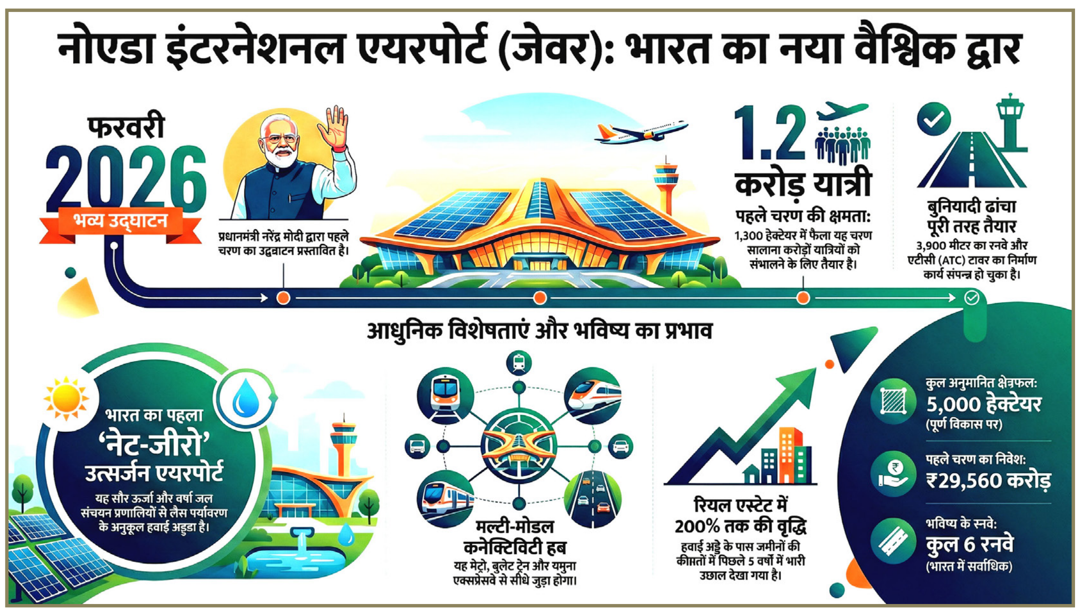

प्रथम फेज में 1334 हेक्टेयर पर निर्माण

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, अब एयरपोर्ट निर्माण से जुड़ा कार्य पूर्ण हो चुका है और केवल एयरोड्रम लाइसेंस से संबंधित वैधानिक प्रक्रियाएं अंतिम चरण में हैं। पहले चरण में यह एयरपोर्ट 1334 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित किया गया है, जो भविष्य में इसके विस्तार की व्यापक संभावनाएं भी प्रदान करता है।

2024 से चल रहा रनवे का ट्रायल

एयरपोर्ट की परिचालन क्षमता को परखने के लिए दिसंबर 2024 में रनवे पर इंडिगो के यात्री विमान की सफल ट्रायल लैंडिंग कराई गई थी। इसके बाद अक्तूबर 2025 के अंत और नवंबर के पहले सप्ताह में छोटे विमानों के माध्यम से रनवे और तकनीकी उपकरणों का पुन: परीक्षण किया गया।

हर पहलू का हुआ व्यावहारिक परीक्षण

एयरपोर्ट का निर्माण कर रही यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यील) ने स्थानीय नागरिकों और कर्मचारियों को प्रतीकात्मक यात्री बनाकर चेक-इन, बोर्डिंग प्रक्रिया, बैगेज हैंडलिंग, सुरक्षा जांच और अन्य यात्री सुविधाओं का व्यावहारिक परीक्षण भी किया।

यूपी का पांचवां इंटरनेशनल एयरपोर्ट

उद्घाटन के बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश का पांचवां अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट होगा। इसके शुरू होने से न केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को बड़ी हवाई सुविधा मिलेगी, बल्कि व्यापार, निवेश और पर्यटन को भी नया आयाम मिलने की उम्मीद है।

संभल हिंसा: एएसपी अनुज चौधरी को अंतरिम राहत

- एफआईआर दर्ज करने के मजिस्ट्रेटी आदेश पर फिलहाल रोक

प्रयागराज। संभल हिंसा से जुड़े मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश पुलिस के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अनुज चौधरी के पक्ष में महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित किया है। न्यायालय ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा अनुज चौधरी सहित अन्य पुलिसकर्मियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह आदेश उत्तर प्रदेश सरकार और एएसपी अनुज चौधरी की ओर से दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकल पीठ ने दिया। याचिकाओं में संभल की सीजेएम अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें नवंबर 2024 में हुई हिंसा के संदर्भ में पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए थे।

यामीन ने दायर की है याचिका

मामले की पृष्ठभूमि में यामीन नामक व्यक्ति की ओर से दायर याचिका है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि हिंसा के दौरान पुलिस ने उसके पुत्र पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। तत्कालीन सीजेएम विभांशु सुधीर ने इस प्रार्थना पत्र पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 175 के तहत एफआईआर दर्ज करने का आदेश पारित किया था।

प्रावधानों के विपरीत मजिस्ट्रेटी आदेश

उच्च न्यायालय में राज्य सरकार और पुलिस अधिकारियों की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता मनीष गोयल ने मजिस्ट्रेटी आदेश को विधिक प्रावधानों के विपरीत बताया। उन्होंने दलील दी कि बीएनएसएस की धारा 175(4) लोक सेवकों को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के दौरान किए गए कार्यों के संबंध में अनावश्यक और दुर्भावनापूर्ण आपराधिक मुकदमों से संरक्षण प्रदान करती है। इस धारा के तहत मजिस्ट्रेट के लिए दो चरणों की प्रक्रिया अनिवार्य है—पहला, सक्षम वरिष्ठ अधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त करना और दूसरा, संबंधित लोक सेवक द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण तथा घटनाक्रम की परिस्थितियों पर समुचित विचार करना।

पैनोरमा ग्रुप के आठ ठिकानों पर IT की रेड

- रियल एस्टेट कंपनी के लेन—देन की गहन जांच, करोड़ों की अनियमितता की आशंका

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया में चर्चित रियल एस्टेट कंपनी पैनोरमा ग्रुप आयकर विभाग की रडार पर आ गई है। मंगलवार को आयकर विभाग की टीमों ने एक साथ कंपनी से जुड़े आठ अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर व्यापक स्तर पर दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच शुरू की। इस कार्रवाई से शहर के रियल एस्टेट कारोबार में हलचल मच गई है। आयकर विभाग की टीमें जिला स्कूल रोड स्थित पैनोरमा ग्रुप के मुख्य कार्यालय, बिलोरी और गुलाब बाग बायपास क्षेत्र में विकसित किए जा रहे अपार्टमेंट प्रोजेक्ट्स, हाउसिंग कॉलोनियों सहित कंपनी से जुड़े अन्य परिसरों में पहुंचीं। इसके अलावा कंपनी के निदेशक संजीव मिश्रा के छातापुर स्थित निजी आवास और उनके ससुराल में भी तलाशी अभियान चलाया गया। फिलहाल, जांच जारी है और अधिकारियों के आधिकारिक बयान के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि अनियमितताओं का वास्तविक दायरा कितना बड़ा है।

500 करोड़ की अनियमितता

सूत्रों के अनुसार, कंपनी के वित्तीय लेन—देन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों की आशंका है। प्रारंभिक आकलन में 400 से 500 करोड़ रुपये तक की अनियमितता की जांच किए जाने की चर्चा है, हालांकि आयकर विभाग की ओर से इस संबंध में अब तक कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है। टीमों द्वारा बैंक खातों, निवेश दस्तावेजों, संपत्ति से जुड़े कागजात और डिजिटल डेटा की बारीकी से पड़ताल की जा रही है।

पीड़ितों में कुछ बड़े चेहरे शामिल

बताया जा रहा है कि पीड़ितों में स्थानीय व्यवसायी, चिकित्सक और अन्य संपन्न वर्ग के लोग शामिल हैं, जो सामाजिक कारणों से अब तक खुलकर सामने नहीं आए थे। आयकर विभाग की इस छापेमारी के बाद पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया है और आने वाले दिनों में और भी चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

मालगाड़ी पर बनाई रील, पांच पहुंचे हवालात

बाराबंकी। सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने के लिए रेलवे संपत्ति और यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करना कुछ युवकों को महंगा पड़ गया। बाराबंकी जनपद में मालगाड़ी पर चढ़कर सिगरेट पीते हुए वीडियो रील बनाने वाले पांच युवकों को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया है।

सोशल मीडिया पर रील वायरल

आरपीएफ पोस्ट कमांडर रवि कुमार और जीआरपी प्रभारी जयंत दुबे ने बताया कि कुछ दिन पूर्व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था। वीडियो में बुढ़वल जंक्शन के पीछे खड़ी एक मालगाड़ी पर चढ़कर युवक सिगरेट पीते और रील बनाते नजर आ रहे थे, जो रेलवे नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है और गंभीर हादसे का कारण बन सकता था। मामले को गंभीरता से लेते हुए रेलवे पुलिस ने वीडियो की जांच शुरू की और संबंधित व्यक्तियों की पहचान की। जांच के बाद मंगलवार दोपहर संयुक्त टीम ने फतेहपुर तहसील क्षेत्र से पांच आरोपियों को दबोच लिया।

रेस्क्यू में जुटे छह लोगों को ट्रक ने कुचला

- दिल्ली—मेरठ एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, दो की मौत
- पिकअप—ट्रक टक्कर के बाद किया जा रहा था राहत कार्य

नोएडा। दिल्ली—मेरठ हाइवे पर सोमवार देर रात एक के बाद एक हुई घटनाओं ने सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र के सेक्टर-62 के पास पहले एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराया। हादसे के बाद शुरू हुआ बचाव कार्य उस समय त्रासदी में बदल गया, जब पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने राहत कार्य में जुटे लोगों को रौंद दिया। इस दर्दनाक घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और आपात सेवाएं मौके पर पहुंचीं। क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर देर रात यातायात को बहाल कराया गया।

पहले ट्रक से टकराया पिकअप

पुलिस के अनुसार, मेरठ से दिल्ली की ओर जा रही लेन में पिकअप वाहन अचानक संतुलन खो बैठा और सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप का चालक अमित वाहन के भीतर बुरी तरह फंस गया। उसे बाहर निकालने के लिए मौके पर मौजूद तीन ट्रक चालकों समेत कुछ अन्य राहगीरों ने अपने वाहन रोककर बचाव कार्य शुरू किया।

सब्जी लदे ट्रक का बिगड़ा संतुलन

इसी दौरान पीछे से आ रहे सब्जी लदे एक ट्रक ने नियंत्रण खो दिया और सड़क पर खड़े तथा रेस्क्यू में जुटे छह लोगों को कुचलते हुए निकल गया। टक्कर इतनी भयावह थी कि कुछ लोग कई मीटर दूर जा गिरे। घटनास्थल पर चीख—पुकार मच गई और हाइवे पर अफरा—तफरी का माहौल बन गया। घायलों की पहचान गोविंद चौहान (35), देवेंद्र सिंह (34), वीरेंद्र, साहिल, हरिओम सहित छह लोगों के रूप में हुई है।

विदेशी निवेशकों का रुख बदला, भारतीय बाजार में रौनक

फरवरी में एफआईआई ने किया दो अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश, वैल्यूएशन बना आकर्षण

एजेंसी । नई दिल्ली

लंबे समय तक बिकवाली का दबाव झेल चुके घरेलू शेयर बाजार में अब विदेशी निवेशकों की वापसी के संकेत साफ दिखाई देने लगे हैं। वर्ष 2025 में लगातार शुद्ध विक्रेता बने रहने वाले विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने फरवरी महीने में भारतीय इक्विटी में दो अरब डॉलर से अधिक की शुद्ध खरीदारी की है। बाजार में हालिया तेजी के पीछे विदेशी पूंजी का यह प्रवाह एक अहम वजह माना जा रहा है।

छह सत्रों में जमकर खरीदारी

आंकड़ों के मुताबिक, 1 फरवरी 2026 से अब तक के आठ कारोबारी सत्रों में से केवल दो दिन एफआईआई ने बिकवाली की, जबकि शेष छह सत्रों में उन्होंने खुलकर खरीदारी की। यह रुझान ऐसे समय पर सामने आया है, जब बीते महीनों की भारी बिकवाली के चलते भारतीय शेयर बाजार का मूल्यांकन एशिया के कई प्रमुख बाजारों की तुलना में अधिक आकर्षक स्तर पर आ गया है।

दीर्घकालिक औसत पर प्रीमियम

धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी के मुताबिक, जापान को छोड़कर एशिया के अन्य बाजारों की तुलना में भारत का फॉरवर्ड पीई प्रीमियम अब अपने दीर्घकालिक औसत के करीब लौट आया है। पिछले एक दशक में कोरिया और चीन जैसे बाजारों के कमजोर प्रदर्शन के कारण भारत का वैल्यूएशन प्रीमियम काफी बढ़ गया था। हालांकि 2025 के दौरान घरेलू बाजार में उतार—चढ़ाव और एशिया के अन्य बाजारों में मजबूती के चलते यह प्रीमियम घटकर करीब 40 प्रतिशत रह गया है, जो इसके 15 वर्षीय औसत के आसपास है।

20.5 गुना अधिक पर सेंसेक्स

बाजार विश्लेषकों के अनुसार, सेंसेक्स इस समय अपने एक साल के फॉरवर्ड प्राइस—टू—अर्निंग (पीई) मल्टीपल के करीब 20 .5 गुना पर कारोबार कर रहा है, जबकि निफ्टी लगभग 20 .1 गुना के स्तर पर है। ये दोनों सूचकांक अपने—अपने दस वर्षीय औसत मूल्यांकन के आसपास हैं। वहीं व्यापक बाजार में बीएसई मिडकैप इंडेक्स का फॉरवर्ड पीई करीब 28 गुना है, जो इसके दीर्घकालिक औसत 27 .3 गुना से थोड़ा ऊपर जरूर है, लेकिन इसे अत्यधिक महंगा नहीं माना जा रहा।

विदेशी निवेशकों ने बदला रुख

जेरोधा कैपिटल्स एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ विक्रम मूलचंदानी का कहना है कि अक्टूबर 2024 से लगातार बिकवाली करने के बाद विदेशी निवेशकों ने अब भारतीय बाजार को लेकर अपना रुख बदला है। उन्होंने बताया कि अकेले 2025 में एफआईआई ने करीब 18 .88 अरब डॉलर की शुद्ध बिकवाली की थी। हालांकि फरवरी में दिख रही वापसी कितनी टिकाऊ होगी, इसका आकलन फिलहाल जल्दबाजी होगा। अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के पूरी तरह लागू होने के बाद ही विदेशी निवेशकों की दीर्घकालिक रणनीति स्पष्ट हो सकेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि हाल के महीनों में अमेरिकी टैरिफ नीतियों, ऊंचे वैल्यूएशन, कमजोर कॉरपोरेट आय और डॉलर की मजबूती ने भारतीय बाजार को विदेशी निवेशकों की नजर में कमजोर किया था। भारत—अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील ने हालांकि व्यापारिक अनिश्चितताओं को कम किया है, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड्स को स्थिरता दी है और वैश्विक

ETF निवेश में उछाल, जनवरी में बुलियन फंड्स पहली पसंद

नई दिल्ली। शेयर बाजार में जारी उतार—चढ़ाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का भरोसा एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ETF) पर और मजबूत होता नजर आ रहा है। जनवरी महीने में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में निवेश ने नया रिकॉर्ड बनाया। इस दौरान निवेशकों ने दोनों बुलियन ईटीएफ में कुल 33,513 करोड़ रुपये लगाए, जो इसी अवधि में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में किए गए निवेश से कहीं अधिक रहा। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (AMFI) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में सिर्फ गोल्ड ईटीएफ में 24,050 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया। इसके मुकाबले दिसंबर 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 11,647 करोड़ रुपये आए थे। यानी महज एक महीने में निवेश दोगुने से भी ज्यादा हो गया। वहीं सिल्वर ईटीएफ में जनवरी के दौरान 9,463 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। जनवरी में निवेशकों की दिलचस्पी सिर्फ बुलियन ईटीएफ तक सीमित नहीं रही। थीमेटिक और इंडेक्स आधारित ईटीएफ में भी जमकर पैसा लगा। इन फंड्स में जनवरी के दौरान 15,006 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया, जबकि दिसंबर में यह आंकड़ा 13,199 करोड़ रुपये था। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की बात करें तो लार्ज कैप फंड्स में जनवरी में 2,005 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो दिसंबर के 1,567 करोड़ रुपये से अधिक है।

निवेशकों की संपत्ति 81 हजार करोड़ बढ़ी

उतार—चढ़ाव भरे कारोबार के बावजूद सेंसेक्स—निफ्टी मजबूती के साथ बंद

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में भी जारी रहा। दिन की शुरुआत भले ही मजबूती के साथ हुई, लेकिन शुरुआती मिनटों में आई बिकवाली ने बाजार को थोड़ी देर के लिए दबाव में ला दिया। हालांकि इसके बाद खरीदारों की सक्रियता ने बाजार को संभाल लिया और प्रमुख सूचकांक आखिरकार हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। कारोबार के पहले हिस्से में बाजार पर खरीदारी का असर साफ दिखाई दिया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने ऊपरी स्तरों को छुआ, लेकिन दोपहर बाद मुनाफा वसूली हावी हो गई, जिससे बढ़त सीमित रह गई। दिन के अंत में सेंसेक्स 0.25 प्रतिशत और निफ्टी 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

मीडिया, आटोमोबाइल में जमकर खरीदारी

सेक्टरवार रुख की बात करें तो मीडिया और ऑटोमोबाइल शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली। निफ्टी मीडिया इंडेक्स करीब दो प्रतिशत चढ़ गया। इसके अलावा आईटी, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल, ऑयल एंड गैस और सार्वजनिक उपक्रमों के शेयरों ने भी बाजार को समर्थन दिया। इसके उलट बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और टेक सेक्टर दबाव में रहे। व्यापक बाजार में भी सकारात्मक माहौल बना रहा, जिससे बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0 .50 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0 .40 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार में आई इस मजबूती का सीधा लाभ निवेशकों को मिला। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर करीब 474 .15 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले कारोबारी दिन के 473 .34 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज लिमिटेड का नाम बदला अब होगी असगार्ड एल्कोबेव लिमिटेड

मुंबई। बांगंगा पेपर मिल्स लिमिटेड (बीएनपीएल) को मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (एमसीए) के सेंट्रल प्रोसेसिंग सेंटर से अपने कॉरपोरेट नाम को बदलकर असगार्ड एल्कोबेव लिमिटेड करने की आधिकारिक मंजूरी मिल गई है। यह कदम कंपनी के बिज़नेस में बड़े रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है, जिसके तहत वह कम मार्जिन वाले पेपर सेक्टर से निकलकर तेज़ी से बढ़ रहे अल्कोहलिक बेवरेज सेक्टर में प्रवेश कर रही है। यह नाम परिवर्तन 14 जनवरी 2026 को आयोजित एक्स्ट्रा-ऑर्डिनरी जनरल मीटिंग में शेयरधारकों द्वारा पारित विशेष प्रस्ताव के बाद किया गया। कंपनी अपनी ग्रोथ स्ट्रेटेजी के तहत सीएमजे ब्रुअरीज में 78.90 प्रतिशत कंट्रोलिंग हिस्सेदारी हासिल कर रही है। सीएमजे ब्रुअरीज नॉर्थईस्ट इंडिया की प्रमुख और अत्याधुनिक कॉन्ट्रैक्ट ब्रूइंग कंपनियों में से एक है, जिसकी स्थापना 2011 में हुई थी। इस फैसिलिटी की मौजूदा इंस्टॉल्ड कैपेसिटी 7,00,000 हेक्टोलीटर प्रतिवर्ष है, जिसे वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही तक बढ़ाकर 9,00,000 हेक्टोलीटर करने की योजना है। सीएमजे ने वित्त वर्ष 2025 में 104.89 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो इसके मजबूत फाइनेंशियल परफॉर्मेंस और स्केलेबिलिटी को दर्शाता है। भारतीय बीयर मार्केट में तेज़ संरचनात्मक वृद्धि देखी जा रही है, जिसका आकार 2024 में लगभग 48,310 करोड़ रहा और 2034 तक इसके 1,24,169 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। कंपनी का मानना है कि यह रणनीतिक बदलाव उसे कंजंप्शन-ड्रिवन ग्रोथ और बेहतर वैल्यूएशन का लाभ देगा।

लीडे के दम पर नीदरलैंड्स की सबसे बड़ी जीत

- 72 रन की नाबाद पारी खेली लीडे ने, यह विश्व कप में नीदरलैंड्स के किसी बल्लेबाज का संयुक्त सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर
- 15 विकेट नीदरलैंड्स के स्पिनर आर्यन दत्त ने अपने कुल 28 विकेटों में से पावरप्ले में चटकाए हैं

एजेंसी | नई दिल्ली

बास डि लीडे के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत नीदरलैंड्स ने टी-20 विश्व कप में नामीबिया को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। 12 गेंद शेष रहते मिली यह जीत डच टीम के विश्व कप इतिहास की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 में आयरलैंड के खिलाफ छह विकेट की जीत थी। इस जीत के साथ ही नीदरलैंड्स ने टूर्नामेंट में अपना विजयी खाता भी खोल लिया है।

नामीबिया की बल्लेबाजी का संघर्ष

इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी नामीबिया की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 156 रन ही बना सकी। नामीबिया की ओर से लोफ्टी इटोन ने सर्वाधिक 42 रन बनाए, जबकि जान फ्रायलिंक ने 30 रनों का योगदान दिया। हालांकि इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े, लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील करने में नाकाम रहे।

बास डि लीडे का ऑलराउंड धमाका

मैच के असली हीरो बास डि लीडे रहे, जिन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से कमाल दिखाया। पहले गेंदबाजी करते हुए उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए महज 48 गेंदों में 72 रनों की नाबाद तूफानी पारी खेली। उनके इस मैच जिताऊ प्रदर्शन के कारण उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। लीडे की बल्लेबाजी की मदद से नीदरलैंड्स ने 157 रनों का लक्ष्य 18वें ओवर में ही हासिल कर लिया।

नीदरलैंड्स की कसी हुई गेंदबाजी

डच गेंदबाजों ने मैच की शुरुआत से ही अनुशासन बनाए रखा। आर्यन दत्त ने पहले ही ओवर में कसी हुई गेंदबाजी की और नामीबिया को पहला झटका दिया। इसके बाद लोगान वान बीक और बास डि लीडे ने दो-दो विकेट लेकर नामीबिया की रन गति पर लगाम लगाई।

संभलकर खेली गई डच पारी

157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। सलामी बल्लेबाज मैक्स ओ डाउड तीसरे ही ओवर में पवेलियन लौट गए और माइकल लेविड भी 28 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, इसके बाद बास डि लीडे ने कोलिन एकेरमैन (32) के साथ तीसरे विकेट के लिए 70 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर पारी को संभाला। अंत में कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (18 नाबाद) के साथ मिलकर लीडे ने टीम को जीत की दहलीज के पार पहुँचाया।

लीडे पहले डच खिलाड़ी

लीडे ने मैच में नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलने के साथ ही दो विकेट भी चटकाए। वह विश्व कप के एक मैच में ऐसा करने वाले पहले डच क्रिकेटर बन गए।

अरुण जेटली स्टेडियम का माहौल

विश्व कप का यह मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। हालांकि, स्कूल की परीक्षाओं और कामकाजी दिन होने के कारण स्टैंड्स काफी खाली नजर आए। अब इसी मैदान पर 12 फरवरी को भारतीय टीम का सामना नामीबिया से होगा, जिसमें दर्शकों की भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है।

न्यूज़ ब्रीफ

आंध्र को पारी से पीट बंगाल 16वीं बार सेमीफाइनल में

कल्याणी। सुदीप कुमार घरामी के 299 रन की बड़ी पारी के बाद शाहबाज अहमद की गेंदबाजी से बंगाल ने आंध्र प्रदेश को पारी और 90 रन से करारी शिकस्त देकर 16वीं बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। बंगाल अब 15 फरवरी से होने वाले सेमीफाइनल में जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगा जबकि दूसरा सेमीफाइनल उसी दिन से कर्नाटक और उत्तराखंड के बीच खेला जाएगा। आंध्र की पहली पारी के 295 रन के जवाब में बंगाल ने अपनी पहली पारी में 629 रन बनाकर 334 रन की बड़ी बढ़त हासिल की थी। फिर मंगलवार को बंगाल के गेंदबाजों ने आंध्र की टीम दूसरी पारी में केवल 244 रन पर समेट दी। आंध्र की ओर से नितीश कुमार रेड्डी ने सर्वाधिक 90 रन बनाए लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। बंगाल की ओर से शाहबाज अहमद ने दूसरी पारी में सर्वाधिक चार जबकि सूरज जायसवाल ने दो विकेट लिए। तीन गेंदबाजों आकाश दीप, सुमंता गुप्ता और अनुस्तुप मजूमदार को एक-एक विकेट मिला। आंध्र ने खेल के पांचवें और अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी तीन विकेट पर 64 रन से आगे बढ़ाई। यह पहले ही तय हो चुका था कि वह सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाएगा लेकिन उसका लक्ष्य सीधी हार से बचना था जिसमें वह नाकाम रहा।

आईसीसी का फैसला क्रिकेट के लिए बहुत महत्वपूर्ण : शुक्ला

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने 'बहुत अच्छा समाधान निकाला'। इसके कारण पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ टी-20 विश्व कप मैच का बहिष्कार वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि यह फैसला क्रिकेट के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।
बांग्लादेश और श्रीलंका के आग्रह के बाद पाकिस्तान सरकार ने सोमवार रात बहिष्कार की अपील वापस लेने का फैसला किया। इसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होगा। शुक्ला ने पत्रकारों से कहा, इस मुद्दे का बहुत अच्छा समाधान निकालने पर मैं बीसीसीआई की तरफ से आईसीसी अध्यक्ष (जय शाह) और उसके पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, क्रिकेट जारी रहना चाहिए और अब विश्व कप को बड़ी सफलता मिलेगी। जहां तक आईसीसी का सवाल है तो यह एक बड़ी उपलब्धि है।

बेल्जियम के खिलाफ दमदार शुरुआत करने उतरेगा भारत

भारत हॉकी प्रो लीग

राउरकेला। भारतीय पुरुष हॉकी टीम बुधवार को एफआईएच प्रो लीग में बेल्जियम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करने उतरेगी। मेजबान टीम पिछली बार वह आठवें स्थान पर रही थी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुआई में गुरुवार को भारत का मुकाबला अर्जेंटीना से होगा। भारतीय टीम शनिवार को फिर बेल्जियम से भिड़ेगी और रविवार को अर्जेंटीना के खिलाफ अपना अभियान खत्म करेगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के तालमेल वाली भारतीय टीम दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली दो टीमों के खिलाफ परिस्थितियों का लाभ उठाने की कोशिश करेगी।

आंकड़ों में पिछड़ा

भारत और बेल्जियम के बीच 2013 से 35 मैच खेले गए हैं। इनमें बेल्जियम ने 22 मैच और भारत ने 11 मैच जीते हैं जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। हालांकि अर्जेंटीना के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड बेहतर है। दोनों के बीच 2013 से अब तक 19 मैच में से भारत 10 में जबकि अर्जेंटीना सात में जीता, दो मैच ड्रॉ रहे। बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में भारत को दर्शकों का अपार समर्थन मिलेगा और टीम इसका फायदा उठाना चाहेगी। बेल्जियम के कप्तान आर्थर वैन डोरेन ने कहा, यहां समय बिताने से परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में मदद मिलती है। हमारी टीम यहां पहले पहुंच गई थी और हमने अच्छा अभ्यास किया है।

विश्व कप के बाद सार्वजनिक होंगी पीसीबी को दी गईं रियायतें

कराची। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत के खिलाफ विश्व कप मैच का बहिष्कार समाप्त करने के बदले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को कुछ रियायतें देने का आश्वासन दिया है, पर इन्हें टूर्नामेंट के बाद ही सार्वजनिक किया जाएगा। यह जानकारी मंगलवार को एक सूत्र ने दी। आईसीसी पहले ही घोषणा कर चुका है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा और उसे 2028-2031 चक्र में एक आईसीसी टूर्नामेंट (संभावित रूप से अंडर-19 पुरुष विश्व कप) की मेजबानी भी दी जाएगी। एक अन्य सूत्र ने बताया, यदि विश्व कप के बाद के चरणों में भारत और पाक की फिर भिड़ंत होती है तो वे उस मुकाबले को खेल सकते हैं, इसकी भी मंजूरी दी गई। प्रधानमंत्री पीसीबी के संरक्षक भी हैं। उन्हें इस बात की जानकारी दी गई थी कि अगर सरकार भारत के खिलाफ नहीं खेलने की अधिसूचना जारी करती है तो पाकिस्तान को क्या हासिल हो सकता है।

राजस्व में हिस्सेदारी पर संशय

अटकलें थीं कि नकवी आईसीसी से मिलने वाले राजस्व में पीसीबी की हिस्सेदारी बढ़ाने का दबाव बना रहे हैं। लेकिन एक सूत्र ने स्पष्ट किया कि ऐसा केवल अगले वित्तीय चक्र के लिए आईसीसी बोर्ड की मंजूरी के बाद ही संभव होगा। चर्चाओं के दौरान नकवी ने यह बात रखी कि पाकिस्तान और भारत के बीच आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत तटस्थ स्थलों पर 'होम और अवे' (घरेलू और प्रतिद्वंद्वी टीम की धरती पर) मैच नहीं खेले जाने का कोई कारण नहीं है!

बॉ ली वु ड

'जिंदगी न मिलेगी दोबारा 2' की तैयारी तेज

साल 2011 में रिलीज हुई चर्चित फिल्म 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' एक बार फिर सुर्खियों में है। लंबे समय से इसके सीक्वल 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा 2' को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं और अब खबर है कि फिल्म निर्माता जोया अख्तर ने बहुप्रतीक्षित सीक्वल का पहला ड्राफ्ट पूरा कर लिया है। इस जानकारी के सामने आते ही फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, क्योंकि दर्शक एक बार फिर ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल की तिकड़ी को साथ देखने के लिए उत्सुक हैं।
रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार कहानी दोस्ती के नए आयामों पर आधारित होगी। सीक्वल में तीनों किरदार 40 की उम्र में नजर आएंगे और उनकी जिंदगी में आए बदलावों को कहानी का अहम हिस्सा बनाया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि जोया अख्तर सिर्फ नॉस्टैल्जिया के लिए फिल्म नहीं बनाना चाहतीं, बल्कि वह एक ऐसी कहानी कहना चाहती हैं जो समय, रिश्तों और परिपक्वता के भावनात्मक पहलुओं को छुए।
हालांकि सीक्वल की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक मूल कलाकारों के साथ बातचीत जारी है। निर्माताओं की कोशिश है कि वही तिकड़ी पर्दे पर लौटे, हालांकि सब कुछ कलाकारों की तारीखों के तालमेल पर निर्भर करेगा। अगर सब योजना के मुताबिक चलता है, तो इस साल के अंत तक फिल्म पर काम शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। फैंस अब आधिकारिक ऐलान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

जोया अख्तर ने पूरा किया पहला ड्राफ्ट

राजपाल यादव के समर्थन में उतरे सोनू सूद

चेक बाउंस मामले में तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करने के बाद अभिनेता राजपाल यादव को अब बॉलीवुड से समर्थन मिलने लगा है। अभिनेता सोनू सूद खुलकर उनके पक्ष में सामने आए हैं। उन्होंने राजपाल को 'बेहद प्रतिभाशाली और गिफ्टेड एक्टर' बताते हुए न सिर्फ उनका हौसला बढ़ाया, बल्कि उन्हें अपनी आने वाली फिल्म में कास्ट करने का भी ऐलान किया है। सोनू ने यह भी कहा कि वह भविष्य के काम के बदले अभी उन्हें साइनिंग अमाउंट देंगे, ताकि इस कठिन समय में उन्हें सहारा मिल सके। सोनू सूद ने सोशल मीडिया पर लिखा, ₹राजपाल यादव एक टैलेंटेड एक्टर हैं, जिन्होंने सालों तक इंडस्ट्री को यादगार काम दिया है। कभी-कभी जिंदगी हमारे साथ अन्याय कर देती है। यह प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि वक्त की मार होती है। वह मेरी फिल्म का हिस्सा होंगे। उन्होंने आगे इंडस्ट्री से अपील करते हुए कहा कि यह समय निर्माताओं, निर्देशकों और सहकर्मियों के एकजुट होकर साथ खड़े होने का है। सोनू ने साफ किया कि साइनिंग फीस किसी तरह की मदद नहीं, बल्कि राजपाल के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने आगे लिखा, ₹जब अपना कोई मुश्किल दौर से गुजर रहा हो, तो उसे याद दिलाना जरूरी है कि वह अकेला नहीं है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला साल 2010 से जुड़ा है, जब राजपाल यादव ने अपनी फिल्म 'अता पता लापता' के लिए 5 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। फिल्म के फ्लॉप होने के बाद वह रकम नहीं चुका पाए और जारी किया गया चेक बाउंस हो गया। मामला अदालत में पहुंचा, जहां कई बार राहत मिलने के बावजूद बकाया न चुकाने पर अदालत ने उन्हें तिहाड़ जेल में सरेंडर करने का आदेश दिया। सरेंडर से पहले राजपाल भावुक हो गए थे और उन्होंने अपनी आर्थिक तंगी का जिक्र किया था।

पत्नी सुनीता के आरोपों पर गोविंदा की सफाई

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा इन दिनों अपने पारिवारिक बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में सुनीता ने आरोप लगाया था कि गोविंदा ने अपने बेटे यशवर्धन आहूजा के करियर को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका नहीं निभाई। अब अभिनेता ने इन दावों पर चुप्पी तोड़ते हुए अपनी बात सामने रखी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके फैसले हमेशा परिवार और बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखकर लिए गए। मीडिया से बातचीत में गोविंदा ने कहा, ₹जिस समय मैं राजनीति से बाहर निकला, तब मैंने सोचा कि प्रतिस्पर्धा, द्वेष और ईर्ष्या जैसी चीज़ों का असर मेरे बच्चों पर न पड़े। खासकर उनके भविष्य को देखते हुए मैंने दूरी बनाना बेहतर समझा।₹ उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने निर्माता साजिद नाडियाडवाला से बेटे यशवर्धन का मार्गदर्शन करने का अनुरोध किया था।

रिलीज़ से पहले रिकॉर्ड

टॉक्सिक ने ओवरसीज़ में कमाए 105 करोड़

रिलीज़ से पहले ही यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक नया अध्याय लिख चुकी है। बॉक्स ऑफिस पर उतरने से पहले ही फिल्म ने ग्लोबल मार्केट में ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जिसने इंडस्ट्री का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। 'टॉक्सिक' ओवरसीज़ में 105 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक डील हासिल करने वाली फिल्मों की चुनिंदा सूची में शामिल हो गई है।
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिल्म के डिस्ट्रीब्यूशन की जिम्मेदारी दुनिया के बड़े डिस्ट्रीब्यूटर्स में शामिल फर्स फिल्म्स ने संभाली है। कमीशन बेसिस पर हुई इस डील में 105 करोड़ रुपये एडवांस सुरक्षित किए गए हैं। खास बात यह है कि यह सौदा केवल भारतीय भाषाओं, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, हिंदी और मलयालम संस्करणों के लिए है। अंग्रेज़ी वर्ज़न इस समझौते का हिस्सा नहीं है, जो यह दर्शाता है कि ओवरसीज़ में भी भारतीय भाषाओं की फिल्मों की मजबूत पकड़ बनी हुई है। यश की पिछली फिल्म 'केजीएफः चैप्टर 2' ने दुनियाभर में जबरदस्त कारोबार किया था और जीसीसी देशों में सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बनी थी। उसी सफलता की गूंज अब 'टॉक्सिक' के लिए बड़े सपनों की नींव रख रही है। फिल्म को नेपाल, जापान और चीन को छोड़कर दुनिया के अधिकांश देशों में रिलीज़ करने की योजना है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी 'टॉक्सिकः अ फेयरीटेल फॉर ग्रोन अप्स' को कन्नड़ और अंग्रेज़ी में एक साथ शूट किया गया है। फिल्म में राजीव रवि की सिनेमैटोग्राफी, रवि बसरूर का संगीत और हॉलीवुड व नेशनल अवॉर्ड विजेता एक्शन डायरेक्टर्स का दमदार योगदान है।

स्पेशल रिपोर्ट

देश में न्यायिक संकट

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों का डीबीडी ने किया विश्लेषण

प्रति 10 लाख जनसंख्या पर होने चाहिए 50, हैं सिर्फ 22 जज

दोपहर संवाददाता | नई दिल्ली

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत की जिला अदालतों में प्रति 10 लाख की आबादी पर महज 22 न्यायाधीश हैं। यह संख्या 2011 की जनगणना (121 करोड़) पर आधारित है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वर्तमान में 140 करोड़ से अधिक की जनसंख्या को आधार बनाया जाए, तो यह औसत और भी नीचे गिर जाएगा। इसका खुलासा, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के विश्लेषण से हुआ है।

देश में लंबित मुकदमों की संख्या

- जिला अदालत 4,81,60,880
- उच्च न्यायालय 63,62,174
- सुप्रीम कोर्ट 92320

विधि आयोग और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

विधि आयोग ने 38 साल पहले (1987) अपनी 120वीं रिपोर्ट में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रति 10 लाख जनसंख्या पर 50 न्यायाधीशों की सिफारिश की थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी 2002 में 'ऑल इंडिया जज एसोसिएशन' मामले में सरकार को निर्देश दिया था कि वर्ष 2007 तक इस लक्ष्य को प्राप्त कर लिया जाए। बावजूद इसके, आज दशकों बाद भी हम उस लक्ष्य के आधे तक भी नहीं पहुँच पाए हैं।

राज्यों की चिंताजनक स्थिति

देश के कई बड़े राज्यों में न्यायाधीशों का अनुपात राष्ट्रीय औसत से भी बेहद कम है। पश्चिम बंगाल की स्थिति सबसे खराब है, जहाँ प्रति 10 लाख लोगों पर केवल 12 जज हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश (18.52), बिहार (19.45) और झारखंड (21.43) भी राष्ट्रीय औसत से पीछे हैं। इसके विपरीत, मिजोरम (67.44) और दिल्ली (53.43) जैसे राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर है।

वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति

न्यायाधीशों की संख्या के मामले में भारत विकसित देशों और अपने पड़ोसी देश चीन से काफी पीछे है। जहाँ भारत में यह औसत केवल 22 है, वहीं चीन में 300, यूरोपीय देशों में 220 और अमेरिका में 150 जज प्रति 10 लाख की जनसंख्या पर उपलब्ध हैं। यह अंतर स्पष्ट करता है कि भारत में न्याय मिलने में देरी क्यों होती है।

रिक्त पद और अदालतों का हाल

जिला अदालतों में जजों के कुल स्वीकृत 25,439 पदों में से लगभग 5,000 पद खाली पड़े हैं। उच्च न्यायालयों की स्थिति भी अलग नहीं है, जहाँ 1,122 स्वीकृत पदों में से करीब 300 रिक्तियां हैं। सुप्रीम कोर्ट में स्वीकृत 34 पदों में से वर्तमान में 33 न्यायाधीश कार्यरत हैं। पदों को न भरने और न्यायाधीशों की कम संख्या का सीधा असर न्याय प्रक्रिया की गति पर पड़ रहा है।

अमेरिका में एच-1बी वीजा खत्म करने के लिए नया विधेयक पेश

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिका में एच-1बी वीजा योजना को समाप्त करने के लिए रिपब्लिकन प्रतिनिधि ग्रेग स्ट्यूबी ने सोमवार को एक नया विधेयक पेश किया है। स्ट्यूबी का कहना है कि यह योजना अमेरिकी नागरिकों के बजाय विदेशी कामगारों को प्राथमिकता देती है, जिससे स्थानीय लोगों को नुकसान उठाना पड़ता है। इस प्रस्तावित कानून का नाम 'एंडिंग एक्सप्लॉइटेटिव इम्पोर्टेड लेबर एग्जेम्प्शंस एक्ट' (EX-ILE Act) रखा गया है। विधेयक के तहत आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम में संशोधन कर एच-1बी वीजा कार्यक्रम को पूरी तरह समाप्त करने का प्रस्ताव है।

अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा का दावा

ग्रेग स्ट्यूबी ने कहा कि विदेशी कामगारों को तरजीह देना अमेरिकी मूल्यों और राष्ट्रीय हितों के खिलाफ है, क्योंकि एच-1बी वीजा प्रोग्राम से अमेरिकी कर्मचारी और युवा लगातार अपने अधिकारों और अवसरों से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक अमेरिकी सपने का हिस्सा गैर-नागरिकों को दिया जाता रहेगा, तब तक भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता। स्ट्यूबी के कार्यालय के मुताबिक, एक्साइल एक्ट के तहत 2027 से हर वित्तीय वर्ष में एच-1बी वीजा की संख्या शून्य कर दी जाएगी।

न्यूज़ ब्रीफ

तलाशी, जब्ती का नोटिस देने से जांच का मकसद खत्म हो जाएगा : सुको

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को डिजिटल युग में जांचकर्ता को होने वाली व्यावहारिक परेशानियों को रेखांकित करते हुए कहा कि यदि तलाशी और जब्ती से पहले नोटिस दिया जाता है तो जांच शुरू होने से पहले ही खत्म हो सकती है। याचिका में कहा गया कि धारा-132 के तहत तलाशी और जब्ती की शक्तियों का आयकर अधिकारी दुरुपयोग कर सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और एन.वी. अंजारिया की पीठ ने आयकर अधिनियम 2025 की धारा-132 के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

गोवा में रूसी महिला पर्यटकों से छेड़छाड़

पणजी। गोवा के 'बागा बीच' पर रूसी महिला पर्यटकों से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। हालांकि, बीच मार्शल और एक जीवन रक्षक ने पहुंचकर मामले को बिगड़ने से बचा लिया। समुद्र तट पर तैनात सुरक्षा एजेंसी, दृष्टि मरीन ने बताया कि पिछले सप्ताह गोवा के समुद्र तट पर महिला पर्यटकों से जुड़े उत्पीड़न के चार मामले, तीन चिकित्सा आपात स्थिति और एक गुमशुदा वस्तु मिलने का मामला दर्ज किया गया। एक अन्य घटना में तेलंगाना के दो पुरुष पर्यटकों ने कथित तौर पर शराब के नशे में समुद्र तट के पास सेल्फी लेने से इनकार करने पर एक विदेशी महिला को परेशान किया। वर्तमान में लगभग 70 मार्शल पांच लोकप्रिय समुद्र तटों (बागा, कलांगुट, कैंडोलिम, कोल्वा और बेनौलिम) पर तैनात हैं।

एआई समिट में भाग लेने 17 फरवरी को भारत आएंगे फ्रांस के राष्ट्रपति

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 17-19 फरवरी को भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। इस दौरान वे एआई इंपैक्ट समिट में भाग लेंगे तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर भी चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। मैक्रों पीएम मोदी के निमंत्रण पर भारत आ रहे हैं। इस दौरान दोनों नेता होराइजन 2047 रोडमैप में निर्धारित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा दोनों नेता हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग सहित पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।

धार्मिक आयोजन में भगदड़, महिला की मौत

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले के डबरा कस्बे में मंगलवार को एक धार्मिक आयोजन के दौरान मची भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई और एक बच्ची समेत सात लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ग्वालियर से करीब 45 किलोमीटर दूर डबरा में पूर्व मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नरोत्तम मिश्रा द्वारा निर्मित नवग्रह मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर मंगलवार को कलश यात्रा का आयोजन किया गया।

असम में फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश, 2.43 लाख नाम हटे

- राज्य में अब 2.49 करोड़ वोटर
- बंगाल में फाइनल लिस्ट की तारीख 14 दिन बढ़ी

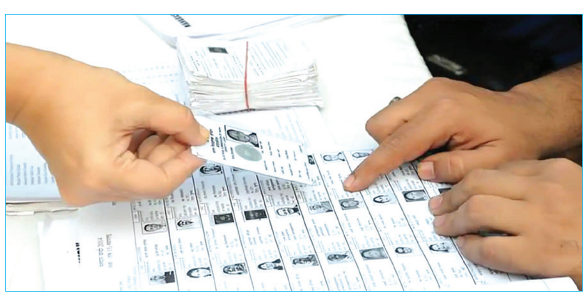

एजेंसी | गुवाहटी

चुनाव आयोग (EC) ने मंगलवार को असम में हुए स्पेशल रिवीजन (SR) 2026 के तहत फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी। EC के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की तुलना में 2.43 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। अब राज्य में कुल 2,49,58,139 वोटर्स रजिस्टर्ड हैं। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में मतदाताओं की संख्या 2,52,01,624 थी। स्पेशल रिवीजन प्रक्रिया के बाद लिस्ट में 2,43,485 नाम हटाए गए हैं। अब फाइनल लिस्ट में 1,24,82,213 पुरुष, 1,24,75,583 महिलाएं और 343 थर्ड-जेंडर शामिल हैं। स्पेशल रिवीजन की इंटीग्रेटेड ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 27 दिसंबर 2025 को पब्लिश हुई थी। इस पर 27 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां करने का समय था। 22 नवंबर से 20 दिसंबर 2025 तक पूरे राज्य में घर-घर (H2H) वेरिफिकेशन अभियान चलाया गया था।

ड्राफ्ट रोल में 10.56 लोगों के नाम कटे थे

इससे पहले 27 दिसंबर 2025 को वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट रोल जारी किया गया था। इसमें 10,56,291 लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे। इनमें 93,021 हजार से ज्यादा D-वोटर यानी डाउटफुल वोटर शामिल नहीं किए गए थे। वोटर लिस्ट में से मौत, नई जगह शिफ्ट होने या डुप्लीकेट एंट्री होने की वजह से 10.56 लाख लोगों के नाम हटाए गए थे। D-वोटर वे लोग होते हैं, जिनकी नागरिकता पर सरकार को शक होता है। ऐसे लोगों को वोट देने की परमिशन नहीं होती। इन्हें फॉरेनर्स एक्ट, 1946 के तहत खास ट्रिब्यूनल तय किया जाता है और इन्हें वोटर कार्ड भी नहीं दिया जाता। इन डी-वोटर्स की जानकारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में अलग से जोड़ी गई है।

बंगाल में 28 फरवरी को वोटर लिस्ट पब्लिश होगी

चुनाव आयोग ने प.बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के तहत फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिकेशन का समय 7 दिन और बढ़ाया है। अब लिस्ट 28 फरवरी को पब्लिश होगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 7 दिन की समयसीमा बढ़ाई गई थी। आयोग ने यह फैसला बड़े पैमाने पर काउंटिंग वेरिफिकेशन व रैशनलाइजेशन की जरूरत को देखते हुए लिया था।

11 राज्यों की SIR ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में 3.67 करोड़ नाम कटे

इससे पहले 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की प्रक्रिया के बाद वहां ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल जारी किए गए हैं। इन राज्यों-UT से अब तक करीब 3.67 करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कट चुके हैं। अब तक जिन राज्यों-UT की लिस्ट आई है।

स्पेन में मिला मुर्गे के आकार वाले डायनासोर का कंकाल

मैड्रिड। वैज्ञानिकों ने स्पेन के बर्गोस इलाके में डायनासोर की एक नई प्रजाति खोजी है, जिसका नाम 'फॉस्केया पेलेंडोनम' रखा गया है। यह लगभग सात करोड़ साल पहले पाया जाता था और इसका आकार आज के एक बड़े मुर्गे के बराबर था। छोटा पर फुर्तीला : यह डायनासोर केवल आधा मीटर लंबा था, लेकिन इसके शरीर की बनावट बहुत जटिल थी। इसकी खोपड़ी शरीर के मुकाबले काफी बड़ी थी और इसके दांत घने जंगलों में तेजी से दौड़ने और भोजन तलाशने के लिए बने थे। हड्डियों की जांच से पता चला है कि ये डायनासोर आज के पक्षियों या स्तनधारियों की तरह बहुत तेजी से बड़े होते थे। यह खोज साबित करती है कि डायनासोर की दुनिया सिर्फ विशाल दैत्यों की नहीं थी।

धरती से 400 किमी ऊपर कैप्सूल में तितली का जन्म

- तितली ने बिना गुरुत्वाकर्षण के पूरा किया अपना जीवन चक्र

एजेंसी | शंघाई

DBD साइंस

चीन के तियांगोंग स्पेस स्टेशन पर वैज्ञानिकों ने एक अद्भुत करिश्मा कर दिखाया है। धरती से करीब 400 किलोमीटर ऊपर कम गुरुत्वाकर्षण में एक तितली का जन्म हुआ है।

बिना इंसानी मदद के

यह पहली बार है जब किसी जीव ने अंतरिक्ष में एक 'ककून' से पूरी तरह तितली बनने तक का सफर तय किया है। यह पूरा बदलाव एक सीलबंद कैप्सूल के अंदर हुआ। इसमें पौधों और सूक्ष्मजीवों की मदद से ऑक्सीजन और नमी का ऐसा बैलेंस बनाया गया था, जैसे धरती पर होता है। वैज्ञानिकों ने बाहर से इसमें कोई दखल नहीं दिया। अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण न होने के कारण जीवों के शरीर में बदलाव होना बहुत मुश्किल होता है। वैज्ञानिक देखना चाहते थे कि क्या ऐसी स्थिति में तितली अपने पंख फैला पाएगी और वह इसमें सफल रही।

मंगल या चांद जैसे लंबे मिशनों पर काम आएगी यह तकनीक

यह प्रयोग साबित करता है कि अंतरिक्ष में बंद इकोसिस्टम बनाकर जीवन को संभव बनाया जा सकता है। यह तकनीक भविष्य में मंगल या चांद जैसे लंबे मिशनों पर इंसानों के जीवित रहने के लिए बहुत काम आएगी। यह प्रयोग चीन की चोंगकिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया था, जिसे दिसंबर में अंतरिक्ष भेजा गया था।

हिमंत सरमा ने कांग्रेस नेताओं पर मानहानि का मुकदमा ठोका

एजेंसी | गुवाहटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों को मंगलवार को 'दुर्भावनापूर्ण' बताते हुए कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं के खिलाफ 500 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया गया है। दरअसल, 4 फरवरी को गुवाहाटी में एक संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने दावा किया था कि

पार्टी की जांच में सामने आया है कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार ने राज्य भर में करीब 12 हजार बीघा जमीन पर कब्जा किया है।

500 करोड़ का मानहानि मुकदमा दायर

मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं जितेंद्र सिंह, भूपेश बघेल और गौरव गोगोई ने प्रेस वार्ता के जरिए उनके खिलाफ झूठे, दुर्भावनापूर्ण और मानहानिकारक आरोप लगाए, जिसके चलते उन्होंने 500 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग के साथ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। सरमा ने आरोपों के कुछ घंटों बाद ही उन्होंने कानूनी कार्रवाई का फैसला कर लिया था। वहीं, गौरव गोगोई ने सोमवार को एक अन्य प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री पर वीडियो के जरिए मुसलमानों के खिलाफ 'नरसंहार भड़काने' का भी आरोप लगाया था।

तिरुपति लड्डू मामले में धनशोधन का केस दर्ज

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तिरुपति स्थित प्रसिद्ध तिरुमला मंदिर में 'लड्डू प्रसादम' मामले की जांच के लिए धन शोधन का केस दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने कुछ समय पहले आरोपी द्वारा कथित रूप से अर्जित अपराध की आय या अवैध धन की जांच के लिए पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया था। उन्होंने बताया कि ईडी सीबीआई के नेतृत्व वाली विशेष जांच टीम (एसआईटी) द्वारा दर्ज प्राथमिकी, दस्तावेजों और हाल में दायर आरोपपत्र को देख रही है।

1 अप्रैल 2026 से लागू होगी युवासाथी योजना

शिक्षित बेरोजगार युवाओं को मिलेंगे 1500 रुपये

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को घोषणा की कि शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए उनकी सरकार की 'युवासाथी' योजना अब 1 अप्रैल 2026 से लागू होगी। पहले यह योजना अगस्त में शुरू होने वाली थी। लॉन्च की तारीख आगे बढ़ाने के फैसले के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा हमने इसे 1 अप्रैल से शुरू करने का फैसला किया है।

पहले पांच साल तक मिलेगा लाभ

राज्य सचिवालय नबन्ना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे राज्य बजट (अंतरिम) में, हमने तीन से चार स्कीमों की घोषणा की थी। 'युवासाथी' योजना के तहत माध्यमिक परीक्षा पास, उम्र 21-40 वर्ष के युवाओं को मासिक 1,500 रुपये भत्ता मिलेगा।

सेशेल्स के राष्ट्रपति का हुआ भव्य स्वागत

दोनों देश के रिश्ते मजबूत होंगे : राष्ट्रपति

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत और सेशेल्स के रिश्तों को नई मजबूती देने की दिशा में बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया गया है। हेडिंग के मुताबिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी का राष्ट्रपति भवन में स्वागत किया और उनके सम्मान में राजकीय भोज भी दिया। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक सहयोग, सुरक्षा और आर्थिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने माना कि नया साझा विजन दस्तावेज भविष्य के रिश्तों की मजबूत नींव बनेगा। राष्ट्रपति मुर्मू और राष्ट्रपति हर्मिनी के बीच हुई बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों के सभी प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा हुई। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत-सेशेल्स जॉइंट विजन 'सस्टेनेबिलिटी, इकोनॉमिक ग्रोथ एंड सिक्योरिटी थ्रू एन्हांस्ड लिंकजेस' यानी एसईएसईएल आने वाले वर्षों में सहयोग का मजबूत आधार बनेगा।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्तों पर जोर

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत और सेशेल्स के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध गहरे हैं। दोनों देशों के लोगों को हिंद महासागर जोड़ता है। उन्होंने कहा कि सेशेल्स अपनी आजादी के 50 वर्ष मना रहा है और इसी समय दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के भी 50 साल पूरे हो रहे हैं। इसे रिश्तों के लिहाज से खास पड़ाव बताया गया। उन्होंने कहा कि भारत सेशेल्स को अपना करीबी समुद्री पड़ोसी और भरोसेमंद साझेदार मानता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सेशेल्स भारत के महासागर विजन में अहम स्थान रखता है। इस विजन का मकसद व्यापार, विकास, क्षमता निर्माण और पारस्परिक सुरक्षा के जरिए सहयोग बढ़ाना है।

शोध नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने किया अहम दावा

मुश्किल सवाल का हल चाहिए तो थोड़ा सो जाइए

एजेंसी | इलिनोइस

सोते समय हमारा दिमाग बंद नहीं होता, बल्कि वह एक सुपर-कंप्यूटर की तरह हमारी मुश्किलों को सुलझाने में लगा रहता है। नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने एक अनोखे अध्ययन में यह साबित किया है कि सपने देखना केवल कल्पना नहीं, बल्कि अपनी परेशानियों को दूर करने का एक आसान तरीका हो सकता है। अक्सर हमें सलाह दी जाती है कि किसी मुश्किल समस्या का हल न मिले तो थोड़ी देर 'सो जाओ'। विशेषज्ञों ने पाया है कि जब हम सो रहे होते हैं, तो हमारा दिमाग उन तार्किक पाबंदियों से एकदम आजाद हो जाता है।

जो हमें जागते समय घेरे रहती हैं। सपने देखते समय दिमाग ऐसी अजीब और रचनात्मक प्रक्रिया जोड़ता है, जो हम होश में सोच ही नहीं पाते।

साउंड-पहेली का कनेक्शन

विशेषज्ञों ने हजार से ज्यादा ऐसे लोगों पर अध्ययन कि जिन्हें 'ल्यूसिड ड्रीम' (वह स्थिति जहां सपने में पता होता है कि आप सपना देख रहे हैं) आते थे। पहले इन लोगों को कुछ मुश्किल पहेलियां दी गईं। हर पहेली को सुलझाते समय बैकग्राउंड में एक खास धुन बजाई गई। जब ये लोग गहरी नींद में गए, तो वैज्ञानिकों ने वही धुनें दोबारा बजाईं।

लीक से हटकर सोचने की आजादी

विशेषज्ञों के अनुसार, जागते समय हम लॉजिक (तर्क) में फंस जाते हैं, लेकिन सपने हमें लीक से हटकर सोचने की आजादी देते हैं। खास आवाजों के जरिए दिमाग को सोते समय किसी खास समस्या पर काम करने के लिए 'टारगेट' किया जा सकता है। सिर्फ अच्छी नींद काफी नहीं है, बल्कि उस समस्या से जुड़ा सपना देखना हल निकालने के लिए ज्यादा जरूरी है। जब दिमाग सपने में उस चुनौती पर काम करता है, तो अगली सुबह जवाब आसान लगने लगता है।